आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,शनिवार 25 जुलाई 2026 ■ आषाढ़, शुक्ल पक्ष-10 ■ वर्ष -42 ■ अंक-118 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 26 जुलाई 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा

नई दिल्ली,25 जुलाई। देश में लगातार पेपर लीक को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच मोदी सरकार में शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है। धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया पर एक इसका ऐलान किया और इस्तीफा देने की वजह भी बताई. चिट्ठी में उन्होंने लिखा कि पिछले चार दशक से अधिक समय से वह छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहे हैं. उनका हमेशा से मानना रहा है कि मजबूत, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही किसी भी राष्ट्र के विकास की आधारशिला होती है.

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, "3 मई 2026 को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आते ही सरकार ने तुरंत कार्रवाई की. मामले की जांच सीबीआई को

सौंपी गई, परीक्षा रद्द कर दोबारा परीक्षा कराने का फैसला लिया गया और अगले साल से नीट को पूरी तरह कंप्यूटर आधारित मोड में आयोजित करने की घोषणा की गई." धर्मेंद्र प्रधान ने लिखा कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा निष्पक्ष और सुचारु रूप से कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता थी. इसके लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, जिला प्रशासन, छात्रों और अभिभावकों के सहयोग से 21 जून 2026 को दोबारा परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई. 16 जुलाई को घोषित परिणामों में गरीब और वंचित परिवारों के कई प्रतिभाशाली छात्रों को सफलता मिली, लेकिन कुछ जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों ने छात्रों को गुमराह करने की कोशिश की, जिससे उन्हें गहरा दुख पहुंचा.

अपने इस्तीफे पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पिछले 10 दिनों की घटनाओं ने उन्हें बेहद व्यथित किया है. उन्होंने स्पष्ट किया कि यह उनके व्यक्तिगत सम्मान का विषय नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य का सवाल है. उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि छात्रों का भविष्य कानूनी विवादों और राजनीतिक टकराव में उलझे या उनका ध्यान पढ़ाई से भटके. इसी भावना के साथ उन्होंने पद छोड़ने का निर्णय लिया.

चिट्ठी के आखिर में धर्मेंद्र प्रधान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन, मंत्रिपरिषद के सहयोगियों, शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में आगे भी वह भारत माता, ओडिशा की जनता और देश के युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी निष्ठा के साथ काम करते रहेंगे.

छत्तीसगढ़ में सहायक शिक्षक भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

रायपुर,25जुलाई। छत्तीसगढ़ में सरकारी शिक्षक बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। CGSSB ने सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा 2026 का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस भर्ती के जरिए सहायक शिक्षक के 795 पदों पर नियुक्ति होगी। ऑनलाइन आवेदन 24 जुलाई 2026 से शुरू होंगे और अभ्यर्थी 21 अगस्त 2026 शाम 5 बजे तक फॉर्म भर सकेंगे। भर्ती परीक्षा की संभावित तारीख 11 अक्टूबर 2026 रखी गई है। रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, बलौदाबाजार-भाटापारा, महासमुंद, बेमेतरा, राजनांदगांव, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा और मुंगेली समेत कई जिलों में पद निकाले गए हैं। आवेदन, पात्रता, आयु सीमा, आरक्षण और परीक्षा पैटर्न की पूरी जानकारी CGSSB के आधिकारिक नोटिफिकेशन में दी गई है।

फेयरवेल कार्यक्रम में गाना गाते प्रोफेसर की मौत

बिलासपुर,25 जुलाई। गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में गाना गाते समय हार्ट अटैक आने से प्रोफेसर की मौत हो गई. प्रोफेसर की मौत के बाद कार्यक्रम को बंद कर दिया गया. जानकारी के अनुसार, गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी के प्रो. आलोक चक्रवाल के 5 साल का कार्यकाल पूरा होने पर पार्टी का आयोजन किया गया था. कार्यक्रम में अन्य प्राध्यापकों के साथ छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. शैलेंद्र कुमार सिंह भी शामिल थे. कार्यक्रम के दौरान उन्होंने गाना भी गाया. इसके बाद असहज महसूस करने पर वे बाथरूम चले गया, जहां अन्य लोगों को गिरे मिले. जांच के बाद स्थिति का अंदाजा लगते ही कार्यक्रम बंद किया गया.

युवक की पिटाई कर सड़क किनारे फेंका, मौत

सूरजपुर,25 जुलाई। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवक को बेरहमी से पीटकर सड़क किनारे फेंक दिया गया, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। यह पूरा मामला प्रतापपुर थाना क्षेत्र का है। मृतक की पहचान हरिनंदन राजवाड़े के रूप में हुई है, जो कि गोंदा गांव का रहने वाला था। शुक्रवार को अज्ञात आरोपियों ने उसकी बेदम पिटाई कर दी और उसे केवरा गांव में सड़क के किनारे फेंक दिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है।

चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश, मौत

दुर्ग,25 जुलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन पर एक बेहद दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। यहाँ रोज की तरह ऑफिस जाने के लिए चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहे एक सीनियर अधिकारी की ट्रैक पर गिरने से दर्दनाक मौत हो गई। इस रूह कंपा देने वाले हादसे का लाइव वीडियो स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुआ है। मृतक की पहचान ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी के एरिया मैनेजर संदीप कुमार सिन्हा (58 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, संदीप कुमार सिन्हा का रोज का दुर्ग से रायपुर आना-जाना था। उनके पास रेलवे का मासिक सीजन टिकट (MST/पास) भी था।

महिला कर्मी को जुड़वा बच्चों की देखभाल के लिए अवकाश देने हाईकोर्ट का आदेश

बिलासपुर,25 जुलाई। हाई कोर्ट ने सेंट्रल जेल में स्टाफ की कमी बताकर महिला वार्डर को चाइल्ड केयर लीव नहीं दिए जाने के खिलाफ पेश याचिका में कहा, जब कोई कर्मचारी छत्तीसगढ़ सिविल सर्विसेज़ (लीव) रूल्स की शर्तें पूरी कर लेता है, तो स्टाफ की कमी या एडमिनिस्ट्रेटिव ज़रूरतों के आधार पर चाइल्ड केयर लीव देने से मना नहीं किया जा सकता, इसका मकसद बच्चे के शुरुआती सालों में उसकी सही देखभाल और परवरिश करना है। इसके साथ जस्टिस विभु दत्त गुरू की सिंगल बेंच ने याचिकाकर्ता को चाइल्ड केयर लीव देने का आदेश दिया है.याचिकाकर्ता मंदा तिवारी केन्द्रीय जेल बिलासपुर में जेल वार्डर के पद में पदस्थ हैं। 10 सितंबर 2025 को उन्हें जुड़वां बच्चों का जन्म हुआ। 13 मई 2026 से 11 जुलाई 2026 तक के समय के लिए चाइल्ड केयर लीव दी गई थी। इसके बाद बच्चों की कम उम्र और उनकी लगातार मैटरनल केयर की ज़रूरत को देखते हुए, याचिकाकर्ता ने चाइल्ड केयर लीव को और 60 दिनों के लिए बढ़ाने के लिए एक आवेदन दिया। उसके आवेदन को यह कहते हुए खारिज किया गया कि स्टाफ की कमी या एडमिनिस्ट्रेटिव परेशानी महिला जेल की सुरक्षा ज़रूरतों और महिला वार्डर की सीमित उपलब्धता को देखते हुए याचिकाकर्ता की रिक्वेस्ट नहीं मानी गई।

इसके खिलाफ पेश याचिका में हाईकोर्ट ने जेल अधीक्षक से शपथपत्र में जवाब मांगा था। जेल अधीक्षक की ओर से जवाब आने के बाद हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि स्टाफ की कमी या एडमिनिस्ट्रेटिव ज़रूरतें कानूनी फायदे से इनकार करने का सही आधार नहीं बन सकतीं। सर्विस की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए सही एडमिनिस्ट्रेटिव इंतज़ाम करना एम्प्लॉयर का काम है और ऐसी एडमिनिस्ट्रेटिव रुकावटें कानूनी हक को ओवरराइड नहीं कर सकतीं। कोर्ट ने कहा कि चाइल्ड केयर लीव देने के पीछे के मकसद, पिटीशनर के जुड़वां बच्चों की कम उम्र और यह मानी हुई बात कि पिटीशनर अभी भी इस फायदे के लिए एलिजिबल है, को ध्यान में रखते हुए, सिर्फ स्टाफ की कमी के आधार पर पिटीशनर की रिक्वेस्ट को खारिज करना मनमाना है। बता दें कि हाई कोर्ट के आदेश पर जेल अधीक्षक ने शपथपत्र प्रस्तुत कर यह जानकारी दी कि बिलासपुर सेंट्रल जेल में 3 वार्डर की 106 मंजूर पोस्ट हैं, जिनमें से 82 पोस्ट भरी हुई हैं और 24 पोस्ट खाली हैं। आगे यह भी कहा गया है कि सेंट्रल जेल, बिलासपुर में सिर्फ 13 महिला वार्डर पोस्टेड हैं, और महिला वार्डर की कमी और एडमिनिस्ट्रेटिव ज़रूरतों की वजह से पिटीशनर की और चाइल्ड केयर लीव देने की रिक्वेस्ट को मना कर दिया गया था।

युवा पीढ़ी से संवाद की जरुरत : मोहन भागवत

नई दिल्ली,25 जुलाई। नीट पेपर लीक और मांगों को लेकर युवाओं के धरना-प्रदर्शन पर आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने पहली बार अपनी बात रखी है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर देश में मचे हंगामे के बीच संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पीएम मोदी को नसीहत दी। मोहन भागवत ने कहा कि अब नई पीढ़ी सवाल पूछती है। उनको तर्क से जवाब देना पड़ता है। इनसे संवाद करने की जरूरत है। दिल्ली के आंबेडकर भवन में विश्वमांगल्य सभा के 'युगानुकूल मातृत्व' कार्यक्रम में युवाओं को लेकर बड़ी बातें करते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि युवा पीढ़ी अब सवाल करती है. हम सवाल नहीं करते थे। लेकिन अब का दौर अलग है। युवाओं से संवाद की जरूरत है। उन्हें अब ऑर्डर नहीं दिया जा सकता। नई पीढ़ी विश्लेषण करती है। जिस शैली में हम पहले बात करते थे, अब हमें उसको बदलना होगा। आरएसएस चीफ ने कहा कि पहले आज्ञा पालन का जमाना था। माता-पिता ने जो कहा, उस पर कोई बहस नहीं होती थी, चुप यानी चुप। उन पर हमारी श्रद्धा भी थी। हमको मालूम था कि इन्होंने जीवन देखा है, इनके अनुभव से ही सब ठीक रहेगा। अब ऐसा नहीं है। नई पीढ़ी सवाल पूछती है। उनको तर्क बताना पड़ता है। इनको समय देने की जरूरत है और संवाद करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बच्चों की परवरिश पहले 12 साल तक अपने हाथ में रहती है। जब हम सीखेंगे तभी उसके आधार पर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान कर सकेंगे। जो हम उनको बताएंगे, वह अपने जीवन में उनको दिखना चाहिए. अभी ऐसा नहीं मानेगी नई पीढ़ी, जो आप कर रहे हो, वह बोलो. वह विश्लेषण करते हैं। महिलाओं पर बोलते हुए मोहन भागवत ने कहा कि मातृत्व सृष्टि के संवर्धन, पोषण और निरंतरता का मूल आधार है। मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति विचार है, लेकिन उसे सही दिशा देने का कार्य माता करती है। माता मनुष्य की पहली शिक्षक और गुरु होती है। जीवनभर व्यक्ति को भावनात्मक सहारे की आवश्यकता होती है, जिसका सबसे बड़ा केंद्र माता है। आक्रमणों और विदेशी शासन के कारण समाज को कई बदलाव स्वीकार करने पड़े। ब्रिटिश शासन के दौरान हमने अपने ज्ञान और परंपराओं की उपेक्षा की। आज समाज में विवाह, परिवार और मातृत्व को भी लेन-देन या सौदे की दृष्टि से देखा जाने लगा है।

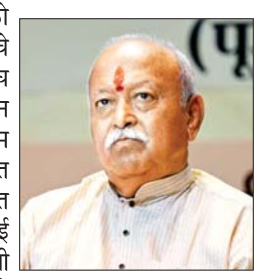

चर्चित शराब घोटाला: 4 आरोपियों को जमानत

बिलासपुर,25 जुलाई। शराब घोटाला मामले से जुड़े ओवरटाइम स्कैम में 4 आरोपियों को हाईकोर्ट ने नियमित जमानत दे दी है। कोर्ट ने आरोपी संजीव जैन और राजीव द्विवेदी समेत चार आरोपियों को 10-10 लाख रुपए के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के दो सक्षम जमानतदार पेश करने की शर्त पर रिहा करने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने अदालत के सामने कई महत्वपूर्ण तर्क रखते हुए सबसे प्रमुख मुद्दा सिद्धार्थ सिंघानिया की भूमिका को लेकर उठाया गया। बचाव पक्ष ने कहा कि संबंधित कंपनी के मैनपावर कॉन्ट्रैक्ट का संचालन सिद्धार्थ सिंघानिया कर रहे थे, लेकिन उन्हें आरोपी बनाने के बजाय गवाह बनाया गया। वहीं, कंपनी के निदेशकों को आरोपी बना दिया गया, जबकि उनकी भूमिका अलग थी। बचाव पक्ष ने कोर्ट को बताया कि शराब घोटाले के मूल अपराध में संजीव जैन को गवाह बनाया गया था, लेकिन उसी मामले से निकले कथित ओवरटाइम घोटाले में उन्हें आरोपी बना दिया गया। यह भी दलील दी गई कि कंपनी के मैनपावर कॉन्ट्रैक्ट का पूरा संचालन सिद्धार्थ सिंघानिया के हाथ में था। मामले की सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने कहा, कि जांच पूरी हो चुकी है और 18 मई 2026 को चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। आरोपी ईओडब्ल्यू के नोटिस पर लगातार उपस्थित होते रहे और जांच में पूरा सहयोग करते रहे। इसके बावजूद एफआईआर दर्ज होने के करीब 18 महीने बाद, 4 मई 2026 को उनकी गिरफ्तारी की गई। मामले की सुनवाई के दौरान यह भी बताया गया कि इसी मामले के एक अन्य सह-आरोपी को पहले ही हाईकोर्ट से नियमित जमानत मिल चुकी है। इसलिए समानता के सिद्धांत के आधार पर भी आरोपियों को राहत दिए जाने की मांग की गई। सभी पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने माना कि रिकॉर्ड के आधार पर आरोपियों की कथित भूमिका प्रत्यक्ष रूप से सामने नहीं आती, बल्कि मामले में दबावपूर्वक वसूली किए जाने के आरोप हैं। साथ ही जांच पूरी हो चुकी है, चार्जशीट दाखिल हो चुकी है और आरोपी लंबे समय से न्यायिक हिरासत में हैं। ऐसे में नियमित जमानत देने के पर्याप्त आधार मौजूद हैं। इन परिस्थितियों को देखते हुए हाईकोर्ट ने संजीव जैन, राजीव द्विवेदी समेत चारों आरोपियों को नियमित जमानत दी।

'नरेंद्र मोदी भारत का अतीत हैं, वे भविष्य से नहीं लड़ सकते:,' राहुल गांधी

नई दिल्ली,25 जुलाई। पेपर लीक मुद्दे को लेकर लगातार दूसरे दिन लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लगातार दूसरे दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस की। राहुल गांधी ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान को हटाने के अलावे कुछ भी मंजूर नहीं। प्रधान को पद से हटना ही होगा। ये मेरी मांग नहीं, देश के युवाओं की मांग है।

साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को युवाओं से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि नरेंद्र मोदी भारत का अतीत हैं। युवा भारत के भविष्य हैं। नरेंद्र मोदी भविष्य से नहीं लड़ सकते।

झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में जीता ब्रॉन्ज

नई दिल्ली,25 जुलाई। स्कॉटलैंड के ग्लासगो शहर में आयोजित हो रहे कॉमनवेल्थ गेम्स के दूसरे दिन भारत का मेडल टैली में खाता बिहार के पैरा पावरलिफ्टिंग एथलीट झंडू कुमार ने खोला। पुरुषों के हैवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग इवेंट में झंडू कुमार ने 130.9 किग्रा वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफलता हासिल की। झंडू कुमार की इस उपलब्धि पर जहां पूरे देश से उनको बधाई मिल रही है तो वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी झंडू कुमार को मेडल जीतने की बधाई दी है, जिसमें पीएम ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि झंडू कुमार ने पूरे देश का मान बढ़ाया है। झंडू कुमार को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पैरा पावरलिफ्टिंग इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर एक्स पर पोस्ट करने के साथ बधाई देते हुए लिखा कि झंडू कुमार का शानदार प्रदर्शन, उन्होंने पुरुषों के हैवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर CWG 2026 में भारत के लिए मेडल टैली में खाता खोला है। उन्हें बधाई, उनकी यह उपलब्धि उनकी जबरदस्त ताकत, अटूट संकल्प और सालों की अनुशासित मेहनत का बेहतरीन

उदाहरण है। हर चुनौती का सामना करते हुए और इंटरनेशनल मंच पर शानदार प्रदर्शन करके उन्होंने पूरे देश का मान बढ़ाया है और अनगिनत भारतीयों को प्रेरित किया है।

सीजीपीएससी भर्ती घोटाला:टामन सिंह की बढ़ी परेशानी

रायपुर,25 जुलाई। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित सीजीपीएससी भर्ती घोटाले में अब जांच का दायरा और बढ़ गया है। राज्य की आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा और केंद्रीय जांच ब्यूरो के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय भी सक्रिय हो गया है। इसी कड़ी में पूर्व सीजीपीएससी अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी को आज प्रोडक्शन वारंट पर अदालत में पेश किया जाएगा, जहां ईडी उनसे पूछताछ के लिए कस्टडी रिमांड की मांग करेगी। सोनवानी फिलहाल इसी मामले में रायपुर सेंट्रल जेल में न्यायिक हिरासत में बंद हैं। ईडी का उद्देश्य अब केवल भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इस पूरे मामले में धन के लेन-देन , कथित रिश्वत और उससे जुड़े आर्थिक पहलुओं की जांच करना भी है। सीजीपीएससी 2021 भर्ती परीक्षा को लेकर आरोप लगे थे कि तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी ने अपने प्रभाव का दुरुपयोग

करते हुए अपने रिश्तेदारों और परिचितों को फायदा पहुंचाया। आरोपों के अनुसार चयन प्रक्रिया में कई अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ मिला और प्रश्नपत्र लीक तथा प्रभाव के इस्तेमाल के जरिए सरकारी पद दिलाए गए।

सीबीआई की जांच में आरोप लगाया गया कि सोनवानी के परिवार और करीबी लोगों का चयन महत्वपूर्ण पदों—जैसे डिप्टी कलेक्टर, डिप्टी एसपी, जिला आबकारी अधिकारी और श्रम अधिकारी—पर हुआ। एजेंसी ने रिश्वत के लेन-देन और कथित साजिश से जुड़े आरोपों की भी जांच की। इस मामले की शुरुआत राज्य स्तर पर ईओडब्लू की जांच से हुई थी। बाद में इसकी गंभीरता को देखते हुए जांच सीबीआई को सौंपी गई। सीबीआई ने नवंबर 2024 में टामन सिंह सोनवानी को गिरफ्तार किया और उन्हें इस कथित भर्ती घोटाले का प्रमुख आरोपी बताया। अब ईडी की एंट्री यह संकेत देती है कि एजेंसी यह पता लगाएगी कि कथित भ्रष्टाचार से अर्जित धन कहां गया, किसके खातों में पहुंचा और क्या इस मामले में धन शोधन के तत्व मौजूद हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों के पहले डोपिंग की शर्मनाक घटना आई सामने

अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने वाली कहावत को किया चरितार्थ

आलेख .. जसवंत क्लॉडियस, वरिष्ठ स्वतंत्र खेल पत्रकार,टीवी कमेंटेटर, रायपुर.

खेलकूद में प्रत्येक खिलाड़ी की कोशिश होती है कि वह राष्ट्रीय,अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगता में पदक जीत सके। इसके लिए खिलाड़ी अपना बचपन, किशोरावस्था यहां तक जवानी के हलचल को भी त्याग कर देता है। सामान्य बालक या बालिका से अलग हटकर एक खिलाड़ी जब 10 से 18 वर्ष तक की उम्र तक सब कुछ भूलकर अपने पसंदीदा खेल में महारत हासिल करने की कोशिश करता है तो वह त्याग और सिर्फ त्याग के अलावा पदक पाने के लिए कुछ और करता। दूसरी तरफ हैसियत से बाहर जाकर उपलब्धि प्राप्त करने की चाहत खिलाड़ी के लिए जी का जंजाल बन जाता है। ऐसी परिस्थिति आती है तो लगता है प्रशिक्षण देने वाले प्रशिक्षक, खान-पान विशेषज्ञ, खेल चिकित्सक सहयोगी सब मिलकर यह प्रयास करते होंगे कि जो भी हो देश को पदक दिलाना है तो खान-पान में थोड़ा अंतर आने से क्या फर्क पड़ता है? इतने के उपरांत वह अगर डोपिंग में पकड़ा जाता है तो यहां विचार रखने का अर्थ यही है कि जागरुक इस बात को समझ सके कि अगर डोपिंग का मामला प्रकाश में आया है तो यह सिर्फ दोषी खिलाड़ी की गलती का परिणाम नहीं हो सकता। भारत में इन दिनों खेलों इंडिया कार्यक्रम और भारतीय खेल प्राधिकरण नई दिल्ली(सांई) के सहयोग से या फिर निजी क्षेत्र में किसी खेल अकादमी में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जाता है तो उनकी देखभाल के लिए प्रशिक्षक, खान-पान विशेषज्ञ, खेल चिकित्सक मौजूद होते हैं। उन्हीं की देखरेख में खिलाड़ी को विश्व स्तरीय स्पर्धा के लिए कठोर अनुशासन में रखते हुए शारीरिक, मानसिक रूप से तैयार किया जाता है। प्रश्न यह उठता है कि जब केंद्र सरकार का खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण या अन्य कोई सरकारी, गैर सरकारी प्रशिक्षण संस्थान जब खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय स्पर्धा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए विशेषज्ञों की उपस्थिति में आधुनिक यंत्रों,उपकरण तथा अनुशासन के साथ तैयार करता है तो फिर डोपिंग का मामला कैसे आ जाता है?इससे सिर्फ खिलाड़ी का संबंधित खेल ही नहीं परंतु इस तरह की घटना के प्रकाश में आने से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारे देश की प्रतिष्ठा पर आंच आती है। ग्लासगो में इन दिनों चल रहे राष्ट्रमंडल खेल 2026 के ठीक पहले भारत के खेल जगत में डोपिंग के दो प्रकरण सामने आये हैं। पहले प्रकरण में जुडो की खिलाड़ी तुलिका मान को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने पिछले 12 महीनों में तीन बार अपने ठिकाने (वेयर अबाडट्स) की जानकारी न देने के कारण उन पर कार्यवाही करते हुए उन्हें ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों 2026 की भारतीय टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। हमारे देश के खेल भविष्य के लिए यह एक बड़ा झटका है क्योंकि पिछले 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में जूडोका तुनिका मान ने भारत के लिए एक रजत पदक जीता था। दूसरी घटना में ग्लास्गो 2026 के लिए चयनित पुरुष जूडोका अरुण कुमार को डोप टेस्ट में विफल होने की वजह से प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया है। अरुण कुमार 73 कि.ग्राम वर्ग में भारतीय दल के सदस्य थे। भारत ने जूडो में 12 इवेंट में मुकाबले के लिए जूडोका का चयन किया था। अब 11 इवेंट में हमारे खिलाड़ी अपनी दावेदारी प्रस्तुत करेंगे . परंतु यही नहीं भारोत्तोलन में भी डोपिंग में पकड़ में एक खिलाड़ी आया है जिसके कारण नियमानुसार भारत को एक और इवेंट से रोका गया है। तथा टीम से दिलबाग सिंह को निकाला गया तथा अब भारतीय भारोत्तोलक 12 इवेंट की जगह 11 इवेंट में भाग ले सकेंगे। क्योंकि डोपिंग उल्लंघनों के चलते हमारे देश का भारोत्तोलन का कोटा 12 से घटाकर 11 इवेंट कर दिया गया है। खेल की दुनिया में इस प्रकार की गलती दूसरे लायक प्रतिभागी के हानि को रोकने के लिए 1999 में एक स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय संगठन का निर्माण किया गया था जिसे वर्ल्ड एंटी डोपिंग एजेंसी (डब्ल्यू.ए.डी.ए.) कहते हैं यह एजेंसी पूरी दुनिया को एंटी डोपिंग से बचने की सलाह देती है और बताती है कि कौन-कौन की दवाएं या पोषक आहार एक खिलाड़ी के लिए घातक है। भारत में भारतीय खेल प्राधिकरण और कुछ संगठनों द्वारा एंटी डोपिंग दवा या आहार नहीं लेने हेतु पूरे भारत में प्रचार प्रसार किया जाता है।अफसोस है कि खेलों के विश्व व्यापी परिदृश्य में भारत 2022,2023,2024 में भारत डोपिंग में अधिकृत रूप से प्रथम स्थान पर बना हुआ है। जहां क्रमशः 192, 213,260 और 2026 में अब तक 131 प्रकरण दर्ज हुए हैं। जागरूकता लाने की पूरी कोशिश के बावजूद भारत के खेल भविष्य के लिए यह डराने वाले आंकड़े हैं। भारत में सबसे अधिक डोपिंग प्रकरण एथलेटिक्स, भारोत्तोलन और कुश्ती में पाये जा रहे हैं। इस दिशा में रोकथाम के कड़ी उपाय जरूरी है अन्यथा बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के आयोजन की अनुमति मिलना मुश्किल हो जाएगा .

खुली नालियां और क्षतिग्रस्त पुलिया बनीं हादसों का कारण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 जुलाई। शहर के विभिन्न वार्डों में खुली पक्की नालियों एवं क्षतिग्रस्त पुलियों के कारण बढ़ रहे सड़क हादसों को लेकर नगर निगम की आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई है। शिवसेना के जिला अध्यक्ष राजू गुप्ता ने ज्ञापन में बताया गया है कि खुर्सीपार जोन-4, सेक्टर-11, जोन-3 मदर टेरेसा नगर सहित कई वार्डों में सड़क किनारे बनी नालियां बिना ढक्कन के खुली पड़ी हैं। वहीं कई चौराहों, मोड़ों एवं पुलियों के पास सुरक्षा दीवार या बैरिकेडिंग नहीं होने से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दौरान जलभराव होने से नालियों की गहराई दिखाई नहीं देती, जिससे दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि छावनी वार्ड-40 इंडस्ट्रीज एरिया से बापू नगर तीन तालाब जाने वाले मार्ग की पुलिया एक वर्ष से क्षतिग्रस्त है। इसके अलावा राजीव नगर वार्ड-43 तथा वार्ड-32 बैकुंठ धाम से गार्डन पानी टंकी मार्ग पर खुली नालियों के कारण कई स्कूली बच्चे एवं दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं।

नगर निगम प्रशासन से मांग की गई है कि संवेदनशील स्थानों पर खुली नालियों को तत्काल ढक्कन से कवर किया जाए, क्षतिग्रस्त पुलियों की मरम्मत कराई जाए तथा आवश्यक स्थानों पर बैरिकेडिंग एवं सुरक्षा दीवार का निर्माण कराया जाए, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से पहले नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

एक नजर

दुर्ग सेंट्रल जेल में कैदी की तबीयत बिगड़ने से मौत

दुर्ग, 25 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। दुर्ग सेंट्रल जेल में पॉक्सो एक्ट के एक सजायाफ्ता कैदी की तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई कैदी बुधवार शाम अपने सेल में अचानक मूर्छित हो गया था जेल प्रशासन उसे तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया सेंट्रल जेल दुर्ग के जेल अधीक्षक मनीष सांभाकर ने बताया कि मृतक बालोद जिले का रहने वाला गजानंद राव (68 साल), वह पॉक्सो एक्ट के एक मामले में 20 वर्ष के कारावास की सजा काट रहा था और 11 जून 2026 को सेंट्रल जेल दुर्ग में दाखिल किया गया था जेल अधीक्षक के अनुसार, गजानंद राव लंबे समय से दमा (अस्थमा) से पीड़ित था। बुधवार शाम करीब 5 :45 बजे वह अपने सेल में बैठा था, तभी अचानक मूर्छित होकर गिर पड़ा। जेल कर्मचारियों ने तत्काल उसे जिला अस्पताल दुर्ग पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया घटना की सूचना मिलने पर आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी की गई। पुलिस और जेल प्रशासन मामले की नियमानुसार कार्रवाई में जुटे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कैदी की मौत बीमारी के चलते हुई प्रतीत हो रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि होगी।

मोटर साइकिल चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

भिलाई, 25 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भिलाई स्मृति नगर चौकी पुलिस द्वारा मोटर साइकिल एक्टिवा की चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया गया है त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी के पास से एक्टिवा बरामद की है चोरी गए वाहन की कीमत 25000 रुपए आंकी गई थी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार का न्यायालय में पेश किया जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है स्मृति नगर चौकी प्रभारी अमित आनंद ने बताया कि प्रार्थी जीतू साहू निवासी कृष्णा नगर वार्ड नंबर 4 सुपेला ने थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी कि 18 जुलाई को वह अपनी एक्टिवा सी जी 07 एल डब्लू 6256 से सूर्या मांल जुनवानी स्थित वचन डेयरी दूध लेने गया हुआ था एक्टिवा को दुकान के सामने खड़ी कर वह अंदर चला गया था। वापस आने के बाद देखा तो अज्ञात आरोपी ने वाहन की चोरी कर ली थी। शिकायत के बाद पुलिस ने धारा 303 (2) के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया था पुलिस टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर की सूचना पर संदेही योगेश निषाद उर्फबाबू निवासी ग्राम समोदा चौकी जेवरा सिरसा थाना पुलगांव को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई पूछताछ में योगेश निषाद ने अपराध स्वीकार किया था

ब्राह्मण मित्र मंडल की बैठक 26 को कुरुद में

भिलाई, 25 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। ब्राह्मण मित्र मंडल की महत्वपूर्ण बैठक रविवार, 26 जुलाई को मंगल वाटिका, कोहका रोड, कुरुद में प्रातः 11 बजे आयोजित की गयी है। बैठक में ब्राह्मण मित्र मंडल के आगामी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की रूपरेखा तैयार करने के साथ-साथ संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने संबंधी विषयों पर चर्चा की जाएगी। ब्राह्मण मित्र मंडल के संयोजक राम मिलन दुबे ने मंडल के समस्त कार्यकारिणी सदस्यों से समय पर बैठक में उपस्थित होकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव एवं सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया है।

खुर्सीपार पुलिस ने नशा के विरुद्ध चलाया विशेष अभियान

स्कूल और कॉलेजों के पास हेरोइन बेचने वाले को किया गया गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 जुलाई। नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना खुर्सीपार पुलिस ने स्कूल-कॉलेज क्षेत्र के पास अवैध रूप से हेरोइन बेचने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 8.49 ग्राम मादक पदार्थ हेरोइन, बिक्री रकम, 02 मोबाइल एवं घटना में प्रयुक्त 1 मोटरसाइकिल बरामद की गई खुर्सीपार टीआई लक्ष्मण केवट ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि आईटीआई मैदान खुर्सीपार के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से मादक पदार्थ हेरोइन की बिक्री कर युवाओं, विशेषकर स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों को नशीला पदार्थ उपलब्ध करा रहा है सूचना प्राप्त होते ही थाना खुर्सीपार थाने पुलिस तत्काल टीम गठित कर मौके पर घेराबंदी की। पुलिस टीम को देखकर संदिग्ध व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया पूछताछ में उसने अपना नाम जसराज सिंह (22 साल) निवासी इंदिरा नगर छावनी बताया तलाशी लेने पर उसके कब्जे से बिक्री हेतु रखा गया मादक पदार्थ हेरोइन, बिक्री रकम, 2 मोबाइल एवं 1 मोटरसाइकिल बरामद बरामद किया गया?

गांजा बेचने वाला पकड़ा गया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 जुलाई। अवैध रूप से गांजा की बिक्री करने वाले आरोपी को धमधा थाने पुलिस ने गिरफ्तार किया है आरोपी के पास से एक 1.146 किलो मादक पदार्थ गांजा एवं बिक्री की रकम जब्त की गई है आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है आरोपी के खिलाफ धारा 20 ख एवं 27 क के तहत कार्रवाई की गई है धमधा टीआई महेश ध्रुव ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम रौंदा चौक के पास एक व्यक्ति अवैध लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से मादक पदार्थ गांजा का संग्रहण का बिक्री कर रहा है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई करते

हुए आरोपी हिमांसु उर्फ मंसूराम धुर्वे के कब्जे से सफेद रंग के प्लास्टिक थैली में रखा मादक पदार्थ गांजा बरामद किया, साथ ही बिक्री की रकम 810 रुपए भी बरामद किए।

गांजा की अवैध बिक्री करने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 जुलाई। प्रतिबंधित मादक पदार्थ गांजा की बिक्री के उद्देश्य से ग्राहक की तलाश कर रहे आरोपी को सुपेला थाने पुलिस ने गिरफ्तार किया है आरोपी के पास से 1, 020 किलोग्राम गांजा जब्त किया है जब्त किए गए मादक पदार्थ गांजा की कीमत लगभग 50000 रुपए आंकी गई है। आरोपी के खिलाफधारा 20 ख एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में

पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है सुपेला पुलिस ने बताया कि मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि स्लॉटर हाउस के सामने आर के ग्राउंड सुपेला के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से प्रतिबंधित मादक पदार्थ गांजा बिक्री करने ग्राहक की तलाश कर रहा है सूचना मिलते ही मौके पर ने पहुंची टीम ने घेराबंदी करते हुए संदिग्ध व्यक्ति को पकडा संदेही संजीव चौहान निवासी जवाहर नगर बाम्बे आवास जामुल की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक सफेद कैरी बैग ने गुलाबी रंग की पॉलिथीन के भीतर 1 किलो 20 ग्राम गांजा बरामद हुआ आरोपी के खिलाफ20 ख नारकोटिक्स ड्रग्स एवं साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

शासकीय राशन दुकान में चावल की हेराफेरी करने वाला गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 जुलाई। सेक्टर 7 स्थित शासकीय उचित मूल्य में दुकान 1007.51 क्विंटल चावल की हेराफेरी का मामला सामने आया है। खाद्य विभाग ने अनियमितता की शिकायत पर जब जांच की तो स्टॉक में 1007.51 क्विंटल चावल कम पाया गया।

इस मामले में खाद्य विभाग की शिकायत पर भिलाई नगर थाने पुलिस ने संचालक को गिरफ्तार कर लिया है भिलाई नगर टीआई जितेन्द्र वर्मा ने बताया कि कलेक्टर (खाद्य शाखा), जिला दुर्ग के आदेश के परिपालन में खाद्य निरीक्षक ने थाना भिलाई नगर में लिखित आवेदन प्रस्तुत किया आवेदन के आधार पर शासकीय उचित मूल्य दुकान, सेक्टर-07 मार्केट, भिलाई (दुकान आईडी-431004118) के अध्यक्ष धनंजय सिंह राजपूत एवं विक्रेता नमिता सिन्हा के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई हेतु प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई। प्राप्त शिकायत के आधार पर गठित जांच समिति ने गुरुवार को संबंधित उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण किया। दुकान के अभिलेखों, उपलब्ध स्टॉक एवं ऑनलाइन प्रदर्शित खाद्यान्न की मात्रा का भौतिक सत्यापन किया गया जांच में वितरण पंजी, चावल उत्सव पंजी, बैठक पंजी एवं बारदाना पंजी उपलब्ध पाए गए, जबकि स्टॉक पंजी उपलब्ध नहीं था। अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि स्टॉक पंजी विक्रेता के पास है। भौतिक सत्यापन एवं ऑनलाइन रिकॉर्ड के मिलान में 1007.51 क्विंटल अरवा चावल की कमी पाई गई।

जांच के समय दुकान में केवल 26.50 क्विंटल चावल उपलब्ध था, जबकि ऑनलाइन रिकॉर्ड के अनुसार 1034.01 क्विंटल चावल उपलब्ध होना चाहिए था वहीं अध्यक्ष ने संतोषजनक उत्तर प्रस्तुत नहीं किया। खाद्य विभाग की शिकायत पर थाना भिलाई नगर ने मामले में धारा 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की। विवेचना के दौरान दस्तावेजों के परीक्षण, साक्ष्य संकलन एवं अन्य आवश्यक कार्रवाई उपरांत आरोपी संचालक धनंजय सिंह राजपूत (63) निवासी सेक्टर-07 को गिरफ्तार किया गया।

शिवनाथ नदी में डूबने से दो बच्चों की मौत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 जुलाई। पुलगांव थाना क्षेत्र के छातागढ़ स्थित शिवनाथ नदी में दर्दनाक हादसा हो गया जहां शिवनाथ नदी के तेज बहाव में दो बच्चे बह गए डूबने की सूचना मिलने पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया. शुक्रवार देर रात तक एसडीआरएफ की टीम और स्थानीय गोताखोर नदी में बच्चों की तलाश करते रहे, लेकिन अंधेरा होने के कारण तलाशी अभियान बंद करना पड़ा. आज सुबह फ़िर से टीम ने नदी में बच्चों की तलाश शुरू की एक बच्चे का शव बरामद कर लिया है एसडीआरएफ की टीम दूसरे बच्चे की तलाश कर रही है।

जन्मदिन की पार्टी के दिन बड़ा हादसा शुक्रवार शाम को 14 से 15 साल के 7 से 8 लड़के बर्थ डे सेलिब्रेट करने छातागढ़ गए थे मौज मस्ती के बाद दोस्तों ने नदी में नहाने का प्लान बनाया और एक एक कर उतरने लगे इसी दौरान नहाने उतरे दो बच्चे तेज बहाव में बह गए बाकी बच्चे नदी से बाहर

आए और आसपास मौजूद लोगों से मदद मांगी तुरंत पुलिस को बच्चों के डूबने के बारे में जानकारी दी गई।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और एसडीआरएफकी टीम मौके पर पहुंची लेकिन अंधेरा होने की वजह से एसडीआरएफकी टीम सर्च अभियान पूरा नहीं कर सकी 14 साल के बच्चे का शव मिला दुर्ग एसडीआरएफ के अधिकारी नागेन्द्र सिंह ने बताया कि शिवनाथ नदी के तेज बहाव में दो बच्चों के डूबने की सूचना मिलने पर सर्चिंग अभियान चलाया गया आज सुबह सर्चिंग अभियान के दौरान एक बच्चे का शव बरामद किया गया है. बच्चे का शव घटनास्थल से 1 किलोमीटर दूर बरामद हुआ पुलगांव थाने पुलिस ने मृतक की पहचान रेहान 14 साल निवासी उरला के रूप में की है वही दूसरे बच्चे की तलाश जारी है?

समाचार संक्षेप

कारगिल के शहीद कौशल यादव को दी गई श्रद्धांजलि

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 जुलाई। वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान 25 जुलाई को शहीद हुए भिलाई के जवान शहीद कौशल यादव को आज याद किया जा रहा है इस अवसर पर भिलाई स्थित शाहिद कौशल यादव के स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया इस दौरान पूर्व सैनिकों, स्कूली बच्चों एनसीसी कैडेट्स व जनप्रतिनिधियों ने वीर चक्र से सम्मानित शहीद कौशल यादव स्मारक स्थल पर पहुंचकर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए पूर्व सैनिकों ने कारगिल विजय को देश के लिए गौरव की बात बताते हुए कहा कि कारगिल में शहीद हुए सैनिकों का त्याग देश के युवाओं को देश के प्रति स्वयं को समर्पित करने की प्रेरणा देते हैं।

उन्होंने शहीद कौशल यादव के परिजनों की हरसंभव मदद करने का आश्वासन भी दिया अध्यक्ष भूतपूर्व सैनिक सेवा कल्याण परिषद उल्लेखनीय है कि वर्ष 1999 में करीब 2 माह तक चले कारगिल युद्ध को 26 जुलाई के दिन मे भारतीय सैनिकों ने विजय प्राप्त की थी 25 जुलाई को भिलाई के कौशल यादव कारगिल युद्ध के दौरान लड़ते हुए शहीद हुए थे जिन्हें वीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

वारंटी को किया गया गिररफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 जुलाई। आरपीएफद्वारा चलाए जा रहे वारंट तामीली अभियान के तहत दुर्ग पोस्ट प्रभारी ने टीम गठित की है टीम ने विशेष रेलवे न्यायालय रायपुर ने दुर्ग में दर्ज अपराध 205/2004 एवं न्यायालय प्रकरण 1727/2004 धारा 143 रेल अधिनियम में आरोपी तिजेंदर सिंह उर्फ टिंकू (46 साल) निवासी लक्ष्मीनगर सुपेला के विरुद्ध स्थायी गिरफ्तारी वारंट 18 अप्रैल 2012 को जारी किया था।

वारण्ट की तामिली के क्रम में पोस्ट प्रभारी आरपीएफ के निर्देशन पर दुर्ग आरपीएफ टीआई एस. के. सिन्हा, सउनि निरंजन, प्रधान आरक्षक भानु राजोरिया, आरक्षक श्रीराम मीना को पतासाजी के दौरान जानकारी मिली कि आरोपी वारंट में दिए गए पते पर निवासरत नहीं है। मुखबीर से जानकारी मिली कि आरोपी पिछले 20 सालों से पंजाब

अपने गृह ग्राम गुरदासपुर जिले के बटाला में रहता है। टीम बटाला रवाना होकर आरोपी के घर का पतासाजी के लिए पहुंची। घर में उसके माता-पिता और पत्नी मिली, जिनसे पूछताछ करने पर पता चला कि आरोपी विगत 15 वर्षों से दुबई में रहकर वाहन चलाने का काम कर रहा है आरोपी के घर वालो को वारंट की छाया प्रति व नोटिस दिया गया अपराध स्वीकार करने पर आरोपी को एक दिन टीआरसी एवं 5 हजार के अर्थदंड से दंडित किया

धनोरा स्कूल में 28 को होगा शैक्षणिक सामग्री का वितरण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 जुलाई। शिवजी अर्पण सेवा समिति द्वारा शासकीय उच्च प्राथमिक शाला, धनोरा में अनाथ एवं एकल अभिभावक वाले 26 बच्चों की शिक्षा एवं आवश्यक सहयोग के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन 28 जुलाई मंगलवार को किया जाएगा। समिति द्वारा इन बच्चों की वर्षभर की पढ़ाई का खर्च उठाने के साथ-साथ उन्हें आवश्यक शैक्षणिक एवं उपयोगी सामग्री भी प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में बच्चों को कॉपी, पेन, स्कूल बैग, जूते, मोजे, छाता, पानी की बोतल एवं कैप का वितरण किया जाएगा। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था समाज के जरूरतमंद एवं वंचित बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगातार कार्य कर रही है। समिति ने सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होकर बच्चों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

रिसाली निगम होगा संसाधनों में आत्मनिर्भर दूसरे निकायों पर नहीं रहना पड़ेगा निर्भर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रिसाली, 25 जुलाई। महापौर शशि सिन्हा ने नगर निगम रिसाली का संसाधन बढ़ाने का फैसला लिया है। उन्होंने महापौर परिषद की बैठक में सक्शन कम जेटिंग मशीन, हॉपर टिपर, डम्फर और ई कार्ट खरीदने पर मुहर लगाई है। परिषद की बैठक में अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई। आमतौर पर रिसाली निगम को बड़े सेप्टिक टैंक की सफाई करने सक्शन मशीन के लिए दूसरे निकाय पर निर्भर रहना पड़ता था। अब रिसाली के पास खुद का वाहन होगा। शुक्रवार निर्णय लिया गया कि तीन-तीन हजार लीटर क्षमता वाले दो वाहन की खरीदी की जाऐगी। सक्शन मशीन के साथ तीन हजार लीटर की जेटिंग सुविधा भी रहेगी। इसके अलावा डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के लिए 33 नग ई कार्ट की भी खरीदी की जाएगी। यही नहीं हॉपर टिपर डंपर 2 नग खरीदने का अंतिम निर्णय लिया गया। महापौर परिषद के सद्स्यों का कहना था कि संसाधन बढ़ने से दूसरे निकाय पर निर्भरता पूरी तरह खत्म हो जाएगी। बैठक में महापौर परिषद के सद्स्य जहीर अब्बास, सनीर साहू, अनिल देशमुख, संजू नेताम, रोहित धनकर, ममता यादव, रंजीता बेनुआ, जमुना ठाकुर के अलावा आयुक्त मोनिका वर्मा, कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे समेत अन्य विभाग प्रमुख मौजूद थे। वर्तमान में गौठान का संचालन रिसाली निगम करता था, जहां घुमंतू मवेशियों को पकड़कर रखा जाता था। अब राज्य सरकार की योजना के तहत गौठान का संचालन गोधाम योजना के तहत किया जाएगा। इसके लिए व्योम इंटरप्राइजेस तालपुरी को अधिकृत किया गया है।

17 अगस्त को टोलाघाट में होने वाली कांवर यात्रा महोत्सव के लिए कुम्हारी में बैठक संपन्न

यात्रा मार्ग, सुरक्षा, चिकित्सा सहायता, पेयजल व भोजन व्यवस्था की बनी रूपरेखा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई/कुम्हारी, 25 जुलाई। बोल बम कांवर यात्रा समिति, पाटन की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को समिति के संयोजक जितेन्द्र वर्मा की अध्यक्षता में सामुदायिक भवन वार्ड क्रमांक 8 कुम्हारी में संपन्न हुई। बैठक में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन के तीसरे सोमवार 17 अगस्त को पाटन से टोलाघाट तक भव्य एवं विशाल कांवर यात्रा निकाली जाएगी। बैठक में यात्रा को अधिक भव्य, सुव्यवस्थित एवं श्रद्धामय स्वरूप प्रदान करने के लिए विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई एवं आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। भगवान शंकर के नाम से शिवभक्तों द्वारा प्राप्त एक मुट्ठी अन्नदान से महाप्रसाद बनाया जाएगा।

समिति के सदस्य, पालिका अध्यक्ष मति मीना वर्मा ने कहा कि कांवर यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन बस नहीं है यह सनातन संस्कृति, आस्था, अनुशासन, सेवा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। प्रत्येक वर्ष हजारों शिवभक्त बोल बम के जयघोष के साथ भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक हेतु इस यात्रा में शामिल होते हैं। इस बार भी यह यात्रा पाटन ओग्गर तालाब में विराजमान भगवान भोलनाथ का आशीर्वाद लेकर टोलाघाट के लिए रवाना होगी। बैठक में यात्रा मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सहायता, पेयजल एवं भोजन व्यवस्था, विश्राम स्थल, यातायात समन्वय,

स्वच्छता, प्रचार-प्रसार एवं स्वयंसेवकों की जिम्मेदारियों सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा कर संबंधित दायित्वों का निर्धारण किया गया।

बैठक के अंत में सदस्य, वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश पाण्डे ने पाटन क्षेत्र के सभी सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक संगठनों, युवा मंडलों, महिला समूहों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारी बंधुओं, स्वयंसेवकों एवं शिवभक्तों से अधिक से अधिक संख्या में कांवर यात्रा में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन किसी एक व्यक्ति या समिति का नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की आस्था, श्रद्धा और सामूहिक सहभागिता का महापर्व है। समिति ने सभी श्रद्धालुओं से 17 अगस्त को पाटन से टोलाघाट तक निकलने वाली इस भव्य कांवर यात्रा में शामिल होकर भगवान भोले नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की।

इस बैठक में मुख्य रूप सेजितेन्द्र वर्मा प्रदेश मंत्री, दिलीप साहू जिला महामंत्री, मीना वर्मा नगरपालिका अध्यक्ष, राकेश पांडेय वरिष्ठ भाजपा नेता, धर्मेंद्र सिन्हा मंडल अध्यक्ष, राजू निषाद सांसद प्रतिनिधि, गोल्डी गोस्वामी एल्डरमैंन, दीपक चतुर्वेदी मंडल महामंत्री, तृप्ति चंद्राकर महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष, रागिनी निषाद पूर्व पार्षद, योगिता वर्मा मंडल मंत्री, जूही चंद्राकर जिला आई टी सेल सह संयोजक, उमाकांत साहू पार्षद वार्ड 4, शुभम पांडेय रामप्रकाश गुप्ता कार्यालय मंत्री, फिंगेश्वर साहू मंडल उपाध्यक्ष उद्धव साहू स्वर्णलता साहू महिला मोर्चा मंडल महामंत्री रीता पांडेय जिला मंत्री, साधना स्वर्णकार ओंकार मार्कण्डेय पार्षद वार्ड 22, नीलम बंजारे ताम्रध्वज साहू सहित बोल बम समिति सदस्य गण उपस्थित थे।

एक नजर

राजनांदगांव में 8-9 अगस्त को राज्य स्तरीय अंडर-19 शतरंज स्पर्धा

राजनांदगांव 25 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। दो दिवसीय राज्य स्तरीय अंडर 19 जूनियर बालक बालिका ओपन क्लासिकल शतरंज स्पर्धा का आयोजन दिग्विजय स्टेडियम कमेटी वा एलिगेंट कॉलेज के विशेष सहियोग से 8 वा 9 अगस्त को दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव के हाल में आयोजित किया जाएगा. उक्त स्पर्धा में अंडर 7 ,9,11,13,15, आयु वर्ग के सभी बालक बालिकाओ को ट्रॉफी, मोमेंटो, सर्टिफ़िकेट वा प्रथम, द्वितीय, तृतीय आने वाले शतरंज़ खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार राशि प्रदान की जाए गी. इस स्पर्धा के अयोजन के लिए विशेष रूप से दिग्विजय स्टेडियम कमेटी के सचिव आदरणीय रमेश पटेल जी, वा संयुक्त सचिव योगेश बागड़ी जी का आभार एन. आर. सी. ए.एसोसिएशन ने किया.. उक्त स्पर्धा के निर्णायक बिलासपुर के सिनियर नेशनल ऑर्बिटर आलोक क्षत्रिय, शेख इदु ,वा तुश्रीका साहू हो गे. यह जानकारी संस्था के सचिव अरशद नवाज़ ने दी.वा निशुल्क शतरंज खेल की कोचिंग राजनांदगांव दुर्ग वा डोंगरगढ में खोलने का प्रयास संस्था द्वारा किया जा रहा है।

कलेक्टर -एसपी ने किया जिला जेल का निरीक्षण

बलौदाबाजार, 25 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर कुलदीप शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने शुक्रवार को जिला जेल बलौदाबाजार का संयुक्त रूप से आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जेल में परिरुद्ध बंदियों के लिये कौशल विकास प्रशिक्षण शुरू कराने के.निर्देश दिये ताकि यहां सजा काटने के साथ ही कुछ हुनर भी सीख सकें। कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा क़ि जेल स्वयं एक व्हीटीपी के रूप में पंजीकृत है इसलिए यहां जल्द प्रशिक्षण शुरू किया जा सकता है।उन्होंने कारपेंटरी प्रशिक्षण पर जोर देते हुए कहा क़ि इससे बम्बू आर्ट के जरिये विभिन्न कलाकृति बनाकर बिक्री भी किया जा सकता है। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बैरको में निरुद्ध बंदियों से मुलाक़ात कर पूछ -ताछ की। उन्होंने बंदियों के स्वास्थ्य जांच एवं ईलाज सहित परिजनों से मुलाक़ात के बारे में जेल अधीक्षक से जानकारी ली। कलेक्टर श्री शर्मा ने बंदियों के लिए अच्छी पुस्तकों की उपलब्धता हेतु लाइब्रेरी का निर्माण,आवश्यकता अनुसार पंखे एवं टी वी की व्यवस्था के लिये प्रस्ताव तैयार करने के भी निर्देश दिये। पाकशाला में भोजन बनाने एवं भोजन की गुणवत्ता की भी जानकारी ली गई। यहां बंदियो के लिये चावल को पकाने की पैना विधि के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए गुणवत्ता को परखी गई और मेंन्यु के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन प्रदान करने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर श्री शर्मा ने इस दौरान बंदियों से मुलाक़ात करने आए परिजनों से भी पूछ ताछ कर जानकारी ली क़ि मुलाकात करने में कोई समस्या तो नहीं है। परिजनों ने बताया क़ि कोई समस्या नहीं है,तय समय अनुसार यहां फोन से बात हो जाता है।

छात्र -छात्राओं को पढ़ाया गया यातायात नियम के पाठ

बलौदाबाजार 25 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में सडक दुर्घटनाओ में कमी लाने एवं छात्र जीवन से ही जवीन में बच्चो के मन में यातायात नियमो के प्रति जागरूक करने के उदेश्य से पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार श्री गौरव राय के निर्देशानुसार एवं उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) श्री संजय कुमार साहु के मार्गदर्शन में ग्राम -तरेंगा ,गिधौरी एवं ग्राम अमेरा बलौदाबाजार में यातायात जागरूकता कार्यक्रम किया गया । इस अभियान के तहत बच्चो को यातायात नियमो की जानकारी देते मोटर सायकल चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेंट लगाने एवं कार चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग , सडक पर चलते सयम यातायात संकेतो का महत्व एवं उनका पालन, मोटर सायकल में तीन सवारी, रोड में प्रचलित बर्थडे पार्टी , स्टंटबाजी , बिना लायसेंस वाहन चलाने पर जुर्माना सजा एवं नये प्रावधानो से अवगत कराते जिले में उक्त नियम के उल्लंघन करने वाले वाहन चालको पर ई-चालान एवं सिटी सर्विलांस से कैमरे से हो रही निगरानी के संबंध में विस्तार पुर्वक बताया गया।साथ ही छात्रो को हर प्रकार के नशे दूर रहने एवं नशे होने वाले शारीरिक एवं मानसिक दुष्प्रभाव के संबध मे बच्चो को जानकारी देते हुए पी0एम0 राहत योजना के तहत सडक दुर्घटना में घायल व्यक्ति को किसी भी अस्पताल में केशलेश की मदद एवं एक्सीडेंट होने के एक घंटे के अंदर गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने वाले नेक व्यक्ति को राहवीर योजना के अंतर्गत 25,000/-रूपये तथा हिट एंड रन में मृतक को 02 लाख रूपये एवं घायल को 50 हजार रूपये प्रदान किये जाने की योजना के संबंध में विस्तार पुर्वक जानकारी दिया गया।

डोड़की में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत 1200 पौधों का रोपण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 25 जुलाई। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम डोड़की में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शहर से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम डोड़की में भाजपा कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, वन विभाग के अधिकारियों एवं ग्रामवासियों ने मिलकर लगभग दो एकड़ शासकीय भूमि पर 1200 पौधों का रोपण किया। पूरे गांव ने इस अभियान को एक उत्सव की तरह मनाया और प्रत्येक परिवार से कम से कम एक सदस्य को पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद एवं वर्तमान महापौर राजनांदगांव मधुसूदन यादव ने पौधारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रत्येक नागरिक यदि अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा। उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का आग्रह किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती किरण साहू ने की। अपने संबोधन में उन्होंने ग्राम डोड़की के ग्रामीणों की सामूहिक भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के जनसहभागिता आधारित अभियान समाज को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विशेष रूप से महतारी वंदन योजना की जानकारी देते हुए पात्र हितग्राहियों से योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष हिराराम वर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल सिन्हा, संगठन जिला मंत्री जैन कुमार मेश्राम, महामंत्री रवि यादव, पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष दिनेश वैष्णव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि अमर साहू, राजनांदगांव पार्षद सावन वर्मा, पलांदुर सरपंच मानिक वर्मा, जीवन वर्मा, कृष्ण मुरारी, तेजराम वर्मा, ईश्वर वर्मा, ग्राम पटेल, वन विभाग की एसडीओ पूर्णिमा राजपूत, रेंजर उइके, फॉरेस्ट गार्ड, समिति प्रबंधक साहू, दिलीप वर्मा, डिगेश वर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने के साथ हुआ।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सत्य साई ग्राम के सेवा मॉडल को बताया जनकल्याण का प्रेरक उदाहरण

रायपुर, 25 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज कर्नाटक के सत्य साई ग्राम, मुद्देनहल्ली का दौरा कर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं मानवीय मूल्यों पर आधारित समग्र सेवा मॉडल का अवलोकन किया। उन्होंने वन वर्ल्ड वन फैमिली मिशन के संस्थापक सद्गुरु श्री मधुसूदन साई से भेंट कर छत्तीसगढ़ में जनकल्याणकारी सेवाओं के विस्तार, विशेष रूप से निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और मूल्य आधारित शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ का आधार केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि स्वस्थ, शिक्षित और संस्कारित समाज है। राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण को सुशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखते हुए अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं के अनुभव, नवाचार और सेवा भावना से जनकल्याण के प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल, रायपुर द्वारा पूर्णतः निःशुल्क बाल हृदय शल्य चिकित्सा (पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी) के माध्यम से हजारों बच्चों को नया जीवन देने के कार्य की मुख्यमंत्री ने विशेष सराहना की। उन्होंने इसे मानवता और सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए अस्पताल के विस्तार, मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल की स्थापना तथा भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं के व्यापक विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री श्री साय मूल्य आधारित शिक्षा पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सम्मेलन में विश्व के लगभग 25 देशों से आए 100 से अधिक शिक्षकों एवं शिक्षाविदों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आधुनिक शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, सेवा, करुणा, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी आधार होनी चाहिए। मूल्य आधारित शिक्षा ही संवेदनशील नागरिकों और सशक्त राष्ट्र का निर्माण करती है।

मुख्यमंत्री ने श्री सत्य साई अन्नपूर्णा ट्रस्ट द्वारा संचालित साईश्योर न्यूट्रास्यूटिकल्स इकाई का भी अवलोकन किया। साईश्योर मल्टी-न्यूट्रिएंट हेल्थ मिक्स के माध्यम से देश के 25 राज्यों एवं 4 केंद्रशासित प्रदेशों में लगभग एक करोड़ बच्चों तक पोषण सहायता पहुंचाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए छत्तीसगढ़ के विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में ऐसे नवाचारों के माध्यम से बच्चों के पोषण स्तर को और बेहतर बनाने की संभावनाओं पर चर्चा की। छत्तीसगढ़ के लगभग 300 युवाओं को यहां नर्सिंग शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ-साथ सेवा भाव से प्रेरित दक्ष स्वास्थ्य मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ सरकार और वन वर्ल्ड वन फैमिली मिशन के बीच सहयोग से स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण के क्षेत्रों में नई संभावनाएं विकसित होंगी तथा समाज के गरीब, वंचित और जरूरतमंद वर्गों तक गुणवत्तापूर्ण सेवाओं का दायरा और अधिक व्यापक होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे सभी प्रयासों का स्वागत करती है, जो सेवा, संवेदना और सुशासन के माध्यम से जनजीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करते हैं।

डोंगरगढ़ क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर एसडीएम विश्वास कुमार से मिला प्रतिनिधिमंडल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 25 जुलाई। डोंगरगढ़ क्षेत्र के नवनियुक्त अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) श्री विश्वास कुमार जी से भारतीय जनता पार्टी डोंगरगढ़ ग्रामीण मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट कर क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल में डोंगरगढ़ ग्रामीण मंडल अध्यक्ष श्री अनिल सिन्हा, श्री जितेंद्र गेन्डरे एवं महेन्द्र त्रिपाठी शामिल रहे। इस दौरान क्षेत्र में सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वच्छता तथा अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई और समस्याओं के शीघ्र समाधान का आग्रह किया गया। एसडीएम श्री विश्वास कुमार ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विषयों पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशासन के सहयोग से क्षेत्र की समस्याओं का शीघ्र निराकरण होगा तथा आम नागरिकों को इसका लाभ मिलेगा।

बोराई में बनेगा अंतरराज्यीय बस टर्मिनल

■ **धमतरी-ओडिशा के बीच मजबूत होगा सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क, कलेक्टर के निर्देश पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

नगरी 25 जुलाई। धमतरी जिले के नगरी विकासखंड से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित बोराई में अंतरराज्यीय बस टर्मिनल स्थापित किए जाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गई है। जिला परिवहन अधिकारी, धमतरी द्वारा लोक निर्माण विभाग (भवन/सेतु) के कार्यपालन अभियंता को पत्र भेजकर प्रस्तावित बस टर्मिनल के लिए स्थल परीक्षण, विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन एवं विस्तृत प्राक्कलन तैयार करने की कार्रवाई करने कहा गया है। प्राप्त पत्र के अनुसार, कलेक्टर धमतरी के निर्देशानुसार बोराई में अंतरराज्यीय बस टर्मिनल की स्थापना का प्रस्ताव विचाराधीन है। बोराई भौगोलिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। यह क्षेत्र पड़ोसी राज्य ओडिशा के नवरंगपुर जिले तथा छत्तीसगढ़ के कांकेर और कोंडागांव (केशकाल) क्षेत्रों के समीप स्थित है।

अंतरराज्यीय आवाजाही का प्रमुख संपर्क बिंदु बनेगा बोराई: बोराई क्षेत्र अंतरराज्यीय एवं अंतरजिला आवागमन के लिए महत्वपूर्ण संपर्क बिंदु के रूप में विकसित हो सकता है। यहां आधुनिक बस टर्मिनल की स्थापना होने से यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। प्रस्तावित बस टर्मिनल के माध्यम से क्षेत्र में यात्रियों के लिए सुविधाजनक और व्यवस्थित बस परिवहन व्यवस्था विकसित होने की उम्मीद है। इससे नगरी, सिहावा सहित सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को भी लाभ मिलने की संभावना है।

आगामी बजट में शामिल कराने की तैयारी: जिला परिवहन अधिकारी द्वारा लोक निर्माण विभाग को भेजे गए पत्र में प्रस्तावित अंतरराज्यीय बस टर्मिनल के लिए स्थल का परीक्षण कर आवश्यकतानुसार विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन एवं विस्तृत प्राक्कलन तैयार करने तथा परियोजना को आगामी बजट में शामिल कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। पत्र में कहा गया है कि परियोजना से संबंधित आवश्यक कार्रवाई शीघ्र पूरी कर रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए, ताकि प्रस्ताव को शासन स्तर पर अग्रेषित किया जा सके। यदि यह प्रस्ताव मूर्त रूप लेता है तो बोराई क्षेत्र धमतरी जिले का एक महत्वपूर्ण अंतरराज्यीय परिवहन केंद्र बन सकता है। इससे न केवल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि धमतरी, कांकेर, कोंडागांव और ओडिशा के नवरंगपुर क्षेत्र के बीच आवागमन भी और अधिक सुगम होने की उम्मीद है।

निकलो बंद मकानों से, जंग लड़ो बेईमानों से : कोंडा विनायक राव

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 25 जुलाई। जंतर-मंतर पर NEET परीक्षा में कथित अनियमितताओं और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन में डोंगरगढ़ के युवा पार्षद कोंडा विनायक राव भी सक्रिय रूप से शामिल रहे। उन्होंने लगातार दो दिनों तक धरना स्थल पर उपस्थित रहकर देशभर से आए छात्रों और युवाओं का उत्साहवर्धन किया तथा उनसे अपनी लोकतांत्रिक मांगों पर शांतिपूर्ण और दृढ़ता से डटे रहने का आह्वान किया। कोंडा विनायक राव ने कहा कि जब लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दे उठ रहे हों, तब सरकार की जिम्मेदारी है कि वह उनकी आवाज़ सुने और न्याय सुनिश्चित करे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि प्रदर्शनकारियों पर कहीं लाठीचार्ज या बल प्रयोग हुआ है, तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों की आवाज़ को दबाने के बजाय सरकार को उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस समारोह का आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 25 जुलाई। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद एवं सैन्य मातृशक्ति, जिला राजनांदगांव इकाई तथा योद्धा फिजिकल डिफेन्स अकादमी (निःशुल्क), डोंगरगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में 26 जुलाई को शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगढ़ (पुराना भवन) में जिला स्तरीय कारगिल विजय दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य कारगिल युद्ध में मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करना तथा उनके अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान को नमन करना है। इस अवसर पर कारगिल के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी जाएगी। समारोह के दौरान देश के वीर सैनिकों के परिवारों का सम्मान करते हुए वीर नारियों को सम्मानित किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि यह आयोजन युवाओं में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन एवं देशसेवा की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। आयोजकों ने जिले के पूर्व सैनिकों, जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कारगिल के वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करने और वीर नारियों का सम्मान करने का आग्रह किया है।

खाद्य सुरक्षा की टीम करेगी मध्यान्ह भोजन गुणवत्ता की जांच,खामी पर होगी कार्रवाई

■ **स्कूलों में विद्यार्थियों की 75 प्रतिशत उपस्थिति पर जोर,न्योता भोज के लिया किया जाएगा प्रोत्साहित**

■ **जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक संपन्न**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 25 जुलाई। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना अंतर्गत प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शालाओं में विद्यार्थियों के लिये बनाए जाने वाले मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता जांच अब खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा की जाएगी, खाद्य सैंपल जांच में गुणवत्ता सम्बन्धी कमी पाए जाने पर सम्बधित स्व सहयता समूह को कार्य से पृथक भी किया जाएगा। कलेक्टर कुलदीप शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक में समीक्षा के दौरान यह निर्णय लिया गया।

कलेक्टर श्री शर्मा ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी को निर्देशित किया क़ि हर ब्लॉक के स्कूलों के मध्यान्ह भोजन का 15 -15 दिन में टीम द्वारा रैण्डम सैंपल लेकर गुणवत्ता जांच कर रिपोर्ट दें। गुणवत्ता और साफ़ -साफ सफाई में कमी पाए जाने पार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगामी 15 अगस्त तक 50 स्कूलों का 5 स्टार रेटिंग उपलब्धि हासिल करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने मध्यान्ह भोजन के लिये दैनिक मेंन्यु के अनुसार ही भोजन प्रदाय किये जाने के निर्देश दिये। शालाओं में स्वेच्छिक आधार पर न्योता भोज के आयोजन के लिये विकासखंड शिक्षा अधिकारियो को आवश्यक पहल करने तथा जनप्रतिनिधियों को शामिल करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने शासन के निर्देशानुसार स्कूलों में बच्चों की 75 प्रतिशत उपस्थिति पर जोर देते हुए कहा क़ि बीईओ और बीआरसी कड़ी मॉनिटरिंग करें और बच्चों की शतप्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा क़ि हर माह स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति की समीक्षा करें और जिन स्कूलों में विद्यार्थियों की उपस्थिति कम होगी उसके प्राचार्य एवं बीईओ को पहले नोटिस दें,उसके बाद भी सुधार नहीं होने पर आगे अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी, वहीं जिन स्कूलों में उपस्थिति बेहतर होगी उनके प्राचार्य,प्रधान पाठक को सम्मानित भी किया जाएगा। आरएसबीवाय के तहय विद्यार्थियों के स्वास्थ्य जांच हेतु स्वास्थ्य विभाग से आपसी समन्वय कर माह जुलाई तक के लिये निर्धारित संख्या में स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश दिये। बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, सीएमएचओ डॉ राजेश अवस्थी, प्रभारी डीईओ के. एस.मरावी सहित समिति के अन्य सदस्य एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

रिटायरमेंट के लिए लॉन्च हुआ आईसीआईसीआई प्रू गोल्ड पेंशन सेविंग्स प्लान

रायपुर 24 जुलाई। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई प्रू गोल्ड पेंशन सेविंग्स नाम से नया बोनस-आधारित पेंशन प्लान पेश किया है। कंपनी के अनुसार, यह योजना रिटायरमेंट के लिए सुरक्षित फंड तैयार करने के साथ जरूरत पड़ने पर 25%तक आंशिक निकासी की सुविधा भी देती है। मैच्योरिटी पर फंड का 60% तक हिस्सा टैक्स-फ्री एकमुश्त निकाला जा सकता है, जबकि शेष राशि से एन्युटी खरीदकर जीवनभर नियमित आय प्राप्त की जा सकती है। प्लान के साथ बिना अतिरिक्त शुल्क के हेल्थ चेक-अप जैसी वेलनेस सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। कंपनी का कहना है कि यह योजना लोगों को रिटायरमेंट के बाद आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सुरक्षित जीवन जीने में मदद करेगी।

सरकार यही चाहती थी कि सब खुद ही एक्सपोज हों

नीट पेपर लीक को लेकर चौतरफा सरकार की आलोचना हो रही है कि सरकार ने इसे शुरू में गंभीरता से नहीं लिया। युवाओं के साथ बातचीत क्यों नहीं की।युवाओं की मांगों को गंभीरता से क्यों नहीं लिया गया। उनकी जो मांगें पूरी की जा सकती हैं,उसे पूरा करने में देरी क्यों की गई।पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठी चार्ज क्यों किया। जितने मुंह उतनी बातें सरकार के खिलाफ की जा रही है। यानी आंदोलन के उग्र व अनियंत्रित होने के लिए सरकार को दोषी ठहराया जा रहा है।कोई भी सरकार हो वह ठीक समय पर देशहित व जनहित व सरकार के हित में जो करना होता है,करती है।मोदी सरकार ने भी यही किया है। उसने इंतजार किया कि आंदोलन कितना गंभीर है,वह चाहते क्या हैं,विपक्ष इसका राजनीतिक लाभ उठा सकता है या नहीं,शुरू में आंदोलन जब कमजोर था तो उसे सरकार ने ज्यादा महत्व नहीं दिया।वांगचुक के अनशन से आंदोलन को देश में महत्व मिला, भीड़ जुटनी शुरू हुई।वांगचुक के अनशन के बाद भी विपक्ष जो आंदोलन से जुड़ने को तैयार न था, समर्थन देना शुरू किया। राहुल गांधी के अलग आंदोलन शुरू किया। आंदोलन को लेकर विपक्ष बंट गया तो इतने दिनों में सब सरकार के कुछ किए बिना जनता व देश के सामने एक्सपोज हो गए कि वह आंदोलन करके परीक्षा व्यवस्था में सुधार नहीं चाहते हैं, वह तो इसकी आड़ में संसद के बाहर व संसद के भीतर हंगामा करना चाहते है, अराजकता फैलाना चाहते हैं। देश में युवाओं के नाम पर नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका जैसी स्थिति पैदा करना चाहते हैं। मोदी सरकार को सीजेपी व वांगचुक की मांगों को जानने के बाद ही यह पता चल गया था कि इनकी कोई बड़ी मांग नहीं है, इनकी मांगें तो कभी भी पूरी की जा सकती है। यह तो सिर्फ यह चाहते हैं कि सरकार उनकी कुछ मांगे मान लें तो वह कह सके कि उनका आंदोलन सफल रहा।कोर्ट के आदेश से सरकार को पहला मौका मिला सीजेपी व वांगचुक को अलग करने का और वह इसमें सफल रही।इससे दोनों के बीच समन्वय न रहा, सीजेपी कुछ मांग कर रही थी और वांगचुक कुछ और मांग कर रहे थे,सरकार ने मोर्चे को दो मोर्चे में बांटकर पहले आंदोलन को कमजोर किया। वह जानती थी कि वांगचुक का अनशन आंदोलन की बड़ी ताकत है और उसने वांगचुक से बात कर उनकी कुछ मांगों को मानकर उनका अनशन समाप्त कर आंदोलन की ताकत को कम कर दिया है। इसके बात सीजेपी के नेताओं से बातों का सिलसिला जारी है। वह एक मांग पर अड़े हैं कि शिक्षामंत्री का इस्तीफा होना चाहिए।सरकार भी इस मांग को जानबुझकर पूरा नहीं कर रही है और इसका परिणाम यह हुआ है कि अब विपक्ष का सारा जोर भी इसी बात पर है कि शिक्षामंत्री का इस्तीफा होना चाहिए यानी सरकार ने शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग को दोनों की मांग बना दिया है। सरकार यदि शुरू में ही सीजेपी,राहुल गांधी की शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग को मान लेती तो वह नीट पेपर लीक,छात्रों पर लाठीचार्ज के नाम पर पीएम से इस्तीफे की मांग पर आ जाते।यानी विपक्ष तो ऐसी मांग ही करने वाला था कि पीएम मोदी जिसे पूरा न करे। मोदी सरकार ने शिक्षामंत्री का इस्तीफा न लेकर यह साफ कर दिया है कि वह सीजेपी व कांग्रेस की इस मांग को पूरा नही करने वाली हैं। इससे हुआ यह है कि अब सीजेपी व कांग्रेस दोनों की एक ही मांग हो गई है कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा होने पर आंदोलन खत्म होगा, विपक्ष संसद मे चर्चा में भाग लेगा। संसद को चलने देगा। सरकार यह मांग तो कभी भी पूरा कर सकती है। लेकिन वह इस आंदोलन को भीड़तंत्र की अराजकता में बदलने दे रही है ताकि वह जब यह कहे कि यह आंदोलन शिक्षा परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए नहीं बल्कि पड़ोस के देशों की तरह देश में अराजकता फैलाना है, सरकार को अस्थिर करना है। देस में राजनीतिक अस्थिरता का दौर लाना है तो लोगों का भरोसा हो कि सरकार सच कह रही है और विपक्ष वाकई में देश में अराजकता फैलाना की इच्छा रखता है।

पीएम मोदी ने आंदोलन को लंबा खींचकर यह तो साबित कर दिया है कि आंदोलन करने वाले शिक्षा व परीक्षा व्यवस्था मे सुधार नहीं चाहते हैं। वह तो शिक्षामंत्री का इस्तीफा चाहते हैं ताकि यह साबित हो सके कि उनका आंदोलन सफल रहा।सीजेपी का लक्ष्य अपने आंदोलन को सफल बताना है। कांग्रेस का लक्ष्य शिक्षामंत्री का इस्तीफा कराकर सरकार को झुकाना है।सरकार झुकती है तो राहुल गांधी को बहुत अच्छा लगता है कि चुनाव में न सही संसद में तो वह मोदी सरकार को बार बार हरा रही है।सरकार कभी भी दोनों की एक मांग को पूरा कर गतिरोध को समाप्त कर सकती है लेकिन इससे पहले वह देश के युवाओं को बताना चाहती है कि शिक्षा व परीक्षा की प्रणाली में खामी है तो उसके लिए पहले कांग्रेस भी दोषी है, कांग्रेस सरकार चाहती तो इस प्रणाली को सुधार सकती थी लेकिन उसने नहीं सुधारा हम सुधारना चाहते हैं और इसी वजह से नया कानून मोदी सरकार ला रही है और पेपर लीक मामले में कडी सजा का प्रावधान करने जा रही है। यानी वह किसी दिन शिक्षामंत्री का इस्तीफा लेकर आंदोलन को समाप्त कर सकती है,संसद में गतिरोध का समाप्त कर सकती है और पेपर लीक रोकने नया कानून लाकर यह देश को बताना चाहती है कि शिक्षा हो परीक्षा व्यवस्था में सुधार मोदी सरकार ही कर सकती है और वह ऐसा करने जा रही है।

विश्लेषण

लोकतंत्र शोर से नहीं, मीडिया के सख्त सवालों से होगा परिपक्व

संजय सक्सेना

समय के साथ लोगों की सोच और नजरिया काफी बदल गया है। खासकर आज की युवा पीढ़ी में काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। इस

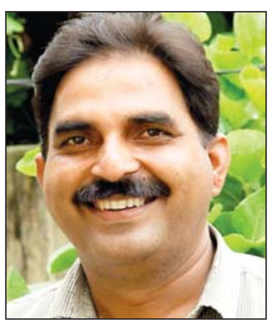

बदलाव की वजह सोशल मीडिया और मोबाइल है, जिसमें सब कुछ खुला हुआ है। डिजिटल क्रांति और 24/7 न्यूज चैनलों ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिस युग में सुकरात और कौटिल्य जैसे विचारकों को ज्ञान और अनुभव के वर्षों बाद सम्मान मिलता था, आज रील्स और ट्वीट्स के 15 सेकेंड में हर इंसान खुद को महाज्ञानी घोषित कर चुका है। लेकिन इस पूरे तमाशे का सबसे विकृत पहलू यह है कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ (मीडिया) और सोशल मीडिया के दौर ने देश के खारिज किए गए नेताओं को एक ऐसा मुफ्त का लाउडस्पीकर दे दिया है, जो बिना किसी जवाबदेही के दिन-रात बजता रहता है। जनता जिन्हें चुनाव में नकार देती है, जिन्हें जमीन पर दो लोग सुनने को तैयार नहीं होते, वही नेता शाम 8 बजे टीवी स्क्रीन पर आकर देश और दुनिया को नैतिकता और शासन का पाठ पढ़ाते हैं। मीडिया उन्हें रहनुमा की तरह पेश करता है, लंबी-लंबी बाइट्स दिखाता है, लेकिन अफसोस, उनसे एक तीखा या सही सवाल पूछने का साहस कोई पत्रकार नहीं जुटा पाता। आज का इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पत्रकारिता का धर्म निभाने के बजाय पौराणिक नारद मुनि की भूमिका में आ चुका है, लेकिन एक नकारात्मक अर्थ में। मीडिया का काम अब सच उजागर करना नहीं, बल्कि दो नेताओं को स्टूडियो में आमने-सामने बिठाकर उनमें आग लगाना रह गया है। देश में स्वास्थ्य, शिक्षा, बेरोजगारी, कृषि और वैज्ञानिक विकास जैसे बुनियादी मुद्दे अब गौण हो चुके हैं। मीडिया के लिए वही खबर प्राइम टाइम के लायक है, जो समाज में सनसनी फैलाए या नफरत का तड़का लगाए। जब कोई खारिज किया गया नेता स्टूडियो में बैठकर बेतुके दावे करता है, तो एंकर उनसे यह नहीं पूछता कि आपने अपने कार्यकाल में इस समस्या के लिए क्या किया? या जनता ने आपको क्यों हराया? इसके

बजाय, एंकर सिर्फ एक पक्ष के नेता का बयान दूसरे के सामने उछालकर बहस को गाली-गलौज का मंच बना देता है। सोशल मीडिया और न्यूज चैनलों के इस दौर की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि मीडिया का पूरा ध्यान या तो वंशवादी-विरासती राजनीति के राजकुमारों पर रहता है, या फिर रोज बखेड़ा खड़ा करने वाले ट्रोल-नेताओं पर। इस तमाशे के बीच वे नेता पूरी तरह अनदेखा कर दिए जाते हैं, जो किसी राजनीतिक घराने से नहीं आते, बल्कि अपनी शिक्षा, जमीनी संघर्ष और कार्य-योग्यता के बल पर आगे बढ़े हैं। इसके कई उदाहरण मौजूद हैं। डॉ. एस. जयशंकर किसी राजनीतिक परिवार से नहीं आते। वे एक पूर्व नौकरशाह और कूटनीतिज्ञ हैं, जिन्होंने अपनी प्रशासनिक और बौद्धिक क्षमता के बल पर देश की विदेश नीति को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। जब वैश्विक मंचों पर भारत का रुख तय करने की बात आती है, तो जयशंकर जैसे योग्य नेताओं की नीतिगत बातें 2 मिनट के क्लिप में सिमट जाती हैं। वहीं दूसरी ओर, चुनाव हारे हुए नेता जब विदेश नीति पर कोई बचकाना बयान देते हैं, तो मीडिया उस पर 2 घंटे का प्राइम टाइम डिबेट चलाता है। योग्यता को दरकिनार कर सनसनी को तरजीह दी जाती है। तमिलनाडु की राजनीति में के. अन्नामलाई एक ऐसा नाम हैं, जो बिना किसी राजनीतिक विरासत के आगे आए। वे एक पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं, जिन्होंने आईआईएम से पढ़ाई की और बाद में अपनी प्रशासनिक नौकरी छोड़कर जमीन पर राजनीति शुरू की। मीडिया अक्सर ऐसे नेताओं के विजन, उनकी प्रशासनिक सोच या उनके द्वारा उठाए गए बुनियादी मुद्दों पर गहराई से रिपोर्टिंग नहीं करता। इसके बजाय, अगर कोई वंशवादी नेता अन्नामलाई पर कोई निजी टिप्पणी कर दे, तो मीडिया उस विवाद को 24 घंटे चलाएगा, लेकिन अन्नामलाई की शैक्षणिक या प्रशासनिक पृष्ठभूमि से निकले विचारों पर कोई बहस नहीं होगी।इसी प्रकार पूर्वोत्तर भारत में सर्बानंद सोनोवाल और हेमंत विश्वा शर्मा जैसे नेताओं ने बिना किसी बड़े राजनीतिक घराने के ठप्पे के, छात्र राजनीति और जमीनी संघर्षों से अपनी पहचान बनाई। मीडिया को पूर्वोत्तर के इन नेताओं के विकास मॉडल या उनकी योग्यता से ज्यादा दिलचस्पी इस बात में रहती है कि वे किसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ क्या तीखा बयान दे रहे हैं। मीडिया उनकी योग्यता को तब तक तवज्जो नहीं देता, जब तक वे टीवी की टीआरपी के हिसाब से मसालेदार बयान न दें। जो नेता अपनी नीतियों और नफरत भरी राजनीति के कारण जनता द्वारा पूरी तरह ठुकरा दिए गए हैं, उनके लिए सोशल मीडिया एक संजीवनी बूटी बन चुका है। सोशल मीडिया पर हर नेता ने अपनी एक ट्रोल आर्मी और समर्थकों का एक छोटा समूह बना लिया है। यहां वे खुद को पीड़ित और देश का सबसे बड़ा रहनुमा साबित करते हैं। पहले नेता को अपनी बात जनता तक पहुंचाने के लिए काम करना पड़ता था। आज एक ट्वीट या फेसबुक लाइव करके कोई भी पूर्व-नेता खुद को ज्ञान का भंडार घोषित कर देता है। टीवी चैनल अब खुद से खबरें ढूंढने के बजाय नेताओं के इन्हीं ट्वीट्स और रील्स पर ब्रेकिंग न्यूज चला रहे हैं। यानी जनता द्वारा खारिज नेता ही अब मीडिया का कंटेंट तय कर रहे हैं। जब मीडिया और सोशल मीडिया का केंद्र बिंदु योग्यता के बजाय सनसनी और खारिज किए गए नेताओं का आलाप बन जाता है, तो इसके गंभीर परिणाम पूरे देश को भुगतने पड़ते हैं। स्वास्थ्य, बेरोजगारी, शिक्षा और बुनियादी ढांचे जैसे मुद्दों पर से जनता का ध्यान भटक जाता है। देश का युवा यह देखता है कि योग्यता, पढ़ाई और जमीनी काम करने वालों की जगह टीवी पर बहस करने और नफरत फैलाने वाले ही दिख रहे हैं, जिससे राजनीति का स्तर गिरता है। जब मीडिया सवाल पूछना बंद कर देता है, तो सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही जनता के प्रति लापरवाह हो जाते हैं। कुल मिलाकर, आज का मीडिया और वायरल संस्कृति भले ही जनता के ठुकराए गए नेताओं को मसीहा बनाकर पेश कर रही हो, लेकिन यह स्थिति लंबे समय तक लोकतंत्र के हित में नहीं है। टीवी स्टूडियोज में योग्य, पढ़े-लिखे और जमीनी संघर्ष से आए नेताओं (चाहे वे किसी भी दल के हों) को जगह देनी होगी। खारिज किए गए नेताओं की लंबी बाइट्स दिखाने के बजाय उनसे कड़े और तथ्यात्मक सवाल पूछने का साहस दिखाना होगा। जब तक मीडिया टीआरपी की हवस छोड़कर योग्यता को तरजीह नहीं देगा और जनता के असली मुद्दों पर सवाल नहीं पूछेगा, तब तक सोशल मीडिया के ये स्वघोषित ज्ञानी और ठुकराए गए नेता देश के विकास की दौड़ में अड़ंगा लगाते रहेंगे। लोकतंत्र की असली मजबूती शोर में नहीं, बल्कि सही सवाल में छिपी है।

सू- दोकू क्र.110

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.109 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

शब्द सामर्थ्य -110

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

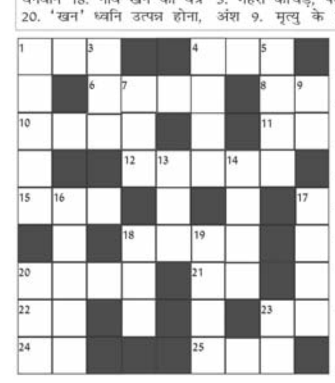

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 109 का हल

स्मृ	ति		पा	व	क		बे	ल
	र	ज	नी	च	र			टट्टू
मु	स्का	न		न	म	की	न	
सा	र		स			ट	ख	ना
फि		अ	जा	य	ब		रा	जा
र	च	ना		था	ल			य
		धि		र्थ		स	मा	ज
उ	प	कृ	त		आ	बा	ज	
ल्लू		त			ब	ल	रा	म

विदेशी फंडिंग पर शिकंजा कसते ही क्यों बेचैन हुए एनजीओ आंदोलनकारी

अजय कुमार

भारत में विदेशी चंदे पर मोदी सरकार की सख्ती से सबसे ज्यादा बेचैनी आखिर किसे हो रही है? उन संस्थाओं

को जो सचमुच गरीबों के लिए स्कूल, अस्पताल और राहत कार्य चला रही हैं या उन नेटवर्कों को जिन्हें विदेशी पैसे के सहारे भारत की नीतियों, आंदोलनों और जनमत को प्रभावित करने की आदत पड़ चुकी है? यह सवाल इसलिए जरूरी है क्योंकि विदेशी फंडिंग अब केवल चैरिटी का मामला नहीं रह गई है। यह देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और संप्रभुता से जुड़ा सवाल बन चुकी है।गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2019-20 से 2021-22 के बीच 13,520 संस्थाओं को 55,741 करोड़ रुपये से ज्यादा का विदेशी चंदा मिला। अकेले 2021-22 में विदेशी योगदान 22,085 करोड़ रुपये से अधिक था। यानी तीन साल में 55 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का विदेशी पैसा भारत आया। अब सवाल यह है कि यह पैसा कहां से आया, किसे मिला, किस काम पर खर्च हुआ और उसका असर किस दिशा में पड़ा? किसी भी संप्रभु देश की सरकार इन सवालों से आंखें बंद नहीं कर सकती।यही वह जगह है जहां मोदी सरकार ने पुरानी व्यवस्था को चुनौती दी है। सरकार का संदेश साफ है भारत समाजसेवा के खिलाफ नहीं है, विदेशी मदद के खिलाफ भी नहीं है, लेकिन विदेशी पैसे के नाम पर भारत की नीतियों, विकास और सामाजिक व्यवस्था में किसी बाहरी एजेंडे को घुसने की अनुमति नहीं दी जा सकती।2020 में एफसीआरए कानून में किए गए बदलावों ने इसी दिशा में बड़ा मोड़ दिया। विदेशी चंदा पाने वाली संस्थाओं के लिए एसबीआई की दिल्ली स्थित शाखा में खाता अनिवार्य किया गया। विदेशी फंड को दूसरे संगठनों को ट्रांसफर करने पर रोक लगाई गई। प्रशासनिक खर्च की सीमा 50 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत कर दी गई। इसका मतलब साफ था अगर पैसा गरीबों, शिक्षा, स्वास्थ्य या राहत के नाम पर आया है तो उसका कम से कम 80 प्रतिशत उसी उद्देश्य पर खर्च होना चाहिए। विदेशी चंदे का बड़ा हिस्सा कार्यालय, यात्राओं और प्रशासनिक तंत्र में खर्च करने का दौर अब खत्म होना चाहिए। सरकारी निगरानी का असर भी दिखाई दिया। पिछले वर्षों में हजारों संस्थाओं के एफसीआरए पंजीकरण रद्द हुए या उनका नवीनीकरण नहीं हुआ। 15 जुलाई 2026 तक 14,449 एफसीआरए प्रमाणपत्र सक्रिय थे, जबकि 22,498 पंजीकरण रद्द और 15,212 समाप्त हो चुके थे। यह आंकड़ा बताता है कि सरकार अब केवल कागज पर मौजूद संस्थाओं को विदेशी धन का रास्ता खुला छोड़ने के मूड में नहीं है।अब 2026 का प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन इस व्यवस्था को और कड़ा करने जा रहा है। यदि किसी संगठन का पंजीकरण रद्द हो जाए, समाप्त हो जाए या वह समय पर नवीनीकरण न कराए, तो विदेशी चंदे से बनी संपत्तियों के प्रबंधन और निपटारे के लिए नामित प्राधिकरण की व्यवस्था प्रस्तावित है। स्कूल, अस्पताल, जमीन या कार्यालय जैसी संपत्तियां भी इसके दायरे में आ सकती हैं। यदि किसी संपत्ति में विदेशी और घरेलू दोनों पैसे लगे हैं, तो संगठन को अपने घरेलू योगदान का हिस्सा अलग से साबित करना पड़ सकता है।यही प्रावधान कुछ एनजीओ और उनके समर्थकों को सबसे ज्यादा परेशान कर रहा है। लेकिन सवाल सीधा है अगर विदेशी पैसे से कोई संपत्ति बनाई गई है और संस्था बाद में एफसीआरए नियमों से बाहर हो जाती है, तो क्या वह विदेशी पैसे से बनी संपत्ति को हमेशा के लिए निजी संपत्ति मान सकती है? सरकार का जवाब है नहीं। विदेशी चंदे के साथ जवाबदेही भी आएगी।भारत में बड़े विकास प्रोजेक्ट्स के खिलाफ हुए आंदोलनों ने इस बहस को और गंभीर बनाया है।

कुडनकुलम परमाणु परियोजना से लेकर स्टरलाइट संयंत्र तक विदेशी फंडिंग और विरोध आंदोलनों के संबंधों पर सरकारी एजेंसियां सवाल उठाती रही हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि हर विरोध प्रदर्शन विदेशी साजिश है। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है और सरकार की नीतियों की आलोचना भी जरूरी है। लेकिन यदि किसी आंदोलन के पीछे विदेशी पैसा है, तो यह पूछना भी उतना ही जरूरी है कि पैसा किसने दिया और उसका उद्देश्य क्या था।भारत जैसे विकासशील देश में एक बड़ी बिजली परियोजना, खनन योजना, औद्योगिक संयंत्र या बुनियादी ढांचा परियोजना वर्षों तक विरोध और मुकदमों में फंसी रहती है, तो उसका नुकसान केवल सरकार को नहीं होता। निवेश रुकता है, रोजगार प्रभावित होता है, उत्पादन घटता है और अर्थव्यवस्था को नुकसान होता है। इसलिए सरकार का यह देखना बिल्कुल स्वाभाविक है कि आंदोलन जनहित से चल रहा है या विदेशी वित्तीय नेटवर्क से। आज की दुनिया में प्रभाव की लड़ाई केवल सीमा पर नहीं लड़ी जाती। थिंक टैंक, विश्वविद्यालय, मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सामाजिक आंदोलनों के जरिए भी किसी देश के भीतर प्रभाव पैदा किया जाता है। अमेरिका विदेशी प्रभाव को लेकर कड़े कानून रखता है। ऑस्ट्रेलिया ने विदेशी प्रभाव की पारदर्शिता के लिए कानून बनाया है। चीन ने विदेशी एनजीओ पर बेहद कड़ा नियंत्रण रखा है। यूरोप में भी विदेशी धन और राजनीतिक प्रभाव को लेकर निगरानी लगातार बढ़ रही है। फिर भारत अगर अपने हितों की रक्षा करना चाहता है तो इसमें असहज होने की जरूरत किसे है?एफसीआरए के नए नियमों ने धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं के लिए भी जवाबदेही बढ़ाई है। विदेशी फंड की अगली किस्त पाने के लिए पहले मिले फंड का कम से कम 75 प्रतिशत उपयोग करने और उसके उपयोग का प्रमाण देने जैसी शर्तें लागू की गई हैं। चार्टर्ड अकाउंटेंट का उपयोगिता प्रमाणपत्र, बैंक विवरण और खर्च का रिकॉर्ड जरूरी किया गया है। संस्थाओं को अपनी वेबसाइट, सोशल मीडिया और प्रकाशनों से जुड़ी जानकारी भी देनी होगी। यानी अब विदेशी फंड लेने वाली संस्था को यह बताना होगा कि वह केवल पैसा ले नहीं रही, बल्कि उसका इस्तेमाल कहां और कैसे कर रही है।धर्मांतरण के आरोपों पर भी सरकार का रुख सख्त है। यहां यह स्पष्ट रहना चाहिए कि हर धार्मिक संस्था या हर सामाजिक संगठन को संदेह की नजर से नहीं देखा जा सकता। लेकिन यदि किसी संस्था पर जबरन धर्मांतरण, फंड के निजी इस्तेमाल या विदेशी धन के गलत उद्देश्य में इस्तेमाल के आरोप हैं, तो जांच क्यों नहीं होनी चाहिए? विदेशी चंदे की निगरानी को अल्पसंख्यक विरोध या लोकतंत्र विरोध बताकर जांच से बचने की कोशिश अब नहीं चलेगी। सोनम वांगचुक से जुड़े संगठन का मामला भी इसी बहस को राजनीतिक रंग देता है। गृह मंत्रालय ने 2025 में उनके संगठन का एफसीआरए पंजीकरण रद्द किया। इसके बाद वांगचुक लद्दाख से जुड़े आंदोलनों में सक्रिय रहे। यहां किसी व्यक्ति की लोकप्रियता मुद्दा नहीं है। असली सवाल यह है कि जब किसी संगठन की विदेशी फंडिंग पर कार्रवाई होती है, तो उससे जुड़े प्रभावशाली लोग नए आंदोलनों के जरिए किस तरह अपनी राजनीतिक और सामाजिक जमीन तलाशते हैं। इस सवाल पर बहस होनी चाहिए, न कि सवाल पूछने वालों को तुरंत लोकतंत्र विरोधी घोषित कर दिया जाए।

मोदी सरकार की एफसीआरए नीति का मूल संदेश यही है कि भारत में अब समानांतर सत्ता नहीं चलेगी। न विदेशी फाउंडेशन भारत की विकास नीति तय करेंगे, न विदेशी नेटवर्क यह तय करेंगे कि किस मुद्दे पर आंदोलन खड़ा होगा और किस मुद्दे पर चुप्पी साधी जाएगी। भारत की जनता ने सरकार चुनी है, किसी विदेशी संस्था ने नहीं।हां, सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि एफसीआरए कानून राजनीतिक बदले का हथियार न बने। ईमानदार संगठनों को पारदर्शी और निष्पक्ष व्यवस्था मिलनी चाहिए। अपील और न्यायिक समीक्षा की पर्याप्त गुंजाइश होनी चाहिए। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि विदेशी फंडिंग पर निगरानी ही खत्म कर दी जाए।भारत अब वह देश नहीं है जहां विदेशी पैसा आए, विदेशी एजेंडा बने और भारतीय जनता को केवल दर्शक बनाकर रखा जाए। भारत दुनिया से व्यापार करेगा, निवेश लेगा, दोस्ती करेगा और जरूरत पड़ने पर विदेशी सहयोग भी स्वीकार करेगा। लेकिन भारत की दिशा भारत के बाहर बैठे किसी फंडर, फाउंडेशन या नेटवर्क के हाथ में नहीं दी जाएगी।विदेशी पैसा आए लेकिन नियमों के साथ। चैरिटी हो लेकिन पारदर्शिता के साथ। समाजसेवा हो लेकिन भारत की संप्रभुता की कीमत पर नहीं। मोदी सरकार का संदेश बिल्कुल साफ है भारत दुनिया के लिए खुला है, लेकिन भारत को चलाने का अधिकार केवल भारत के लोगों का है। और विदेशी चंदे के नाम पर भारत में समानांतर सत्ता चलाने की कोशिश करने वालों के लिए अब रास्ते पहले जैसे खुले नहीं रहेंगे।

पचास ग्राम का टुकड़ा

व्यंग्य

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

उफ़! कितनी तपती धूप है आज, और उस पर यह पचास ग्राम का प्लास्टिक का टुकड़ा... यह सीने पर ऐसे चिपका है जैसे कोई मुजरिम छाती पर चढ़कर बैठ गया हो। इसे उतारकर जेब में रख लो तो मानो तुरंत दस डिग्री तापमान कम हो जाता है। हवा सीधे खाकी सूती कमीज़ के पार जाकर रीढ़ की हड्डी को सहलाने लगती है। नियम-कानून अपनी जगह हैं, पर इंसानी शरीर की भी तो कोई मर्यादा होती है या नहीं? आख़िर सिपाही भी तो इंसान ही है, कोई लोहे का खंभा थोड़े ही है जो हर मौसम में एक सा गड़ा रहे।

इधर नेमप्लेट जेब में गई, उधर अचानक शरीर के भीतर की पूरी थकान काफ़ूर हो जाती है। जो हाथ दो मिनट पहले तक गर्मी के मारे ढीले पड़े थे, उनमें अचानक एक जादुई फुर्ती लौट आती है। सामने भीड़ है, शोर है, और हाथ में चिकनी, भारी नीम की लाठी। जैसे ही लाठी हवा में लहराती है, तो कोई यह नहीं देखता कि वो लाठी किसी बूढ़े की पीठ पर पड़ रही है या किसी नौजवान की पिंडली पर। लाठी का अपना कोई मज़हब नहीं होता, न ही उसकी कोई पहचान होती है। वह तो बस ऊपर से आए हुक्म का एक बेजुबान ज़रिया भर है, जो हवा को चीरती हुई सीधे गोश्त और हड्डियों के जोड़ पर जाकर टकराती है। ज़मीन पर गिरकर कराहते हुए उस आदमी की आँखों में एक अजीब सा सन्नाटा तैर जाता है। वह फटी हुई आँखों से उस खाकी वर्दी के सीने को घूरता है, जहाँ एक आयताकार साफ़ निशान तो है, पर कोई नाम नहीं है। नाम होता, तो शायद वह अपने दर्द को एक नाम दे पाता। वह अदालत के दरवाज़े पर जाकर कह पाता कि मुझे फलां इंसान ने तोड़ा है। पर बिना नाम की खाकी तो बस एक अमूर्त सा साया बन जाती है। दर्द जब बेनाम हो जाए, तो वह और ज़्यादा जहरीला हो जाता है। इंसान सोचता रह जाता है कि जिस हाथ ने उसकी पसलियाँ तोड़ी हैं, उस हाथ के मालिक के घर में भी क्या छोटे-छोटे बच्चे होंगे जो शाम को उसकी उंगलियाँ पकड़कर घूमते होंगे?

सड़क के किनारे पड़े उस लहूलुहान इंसान के मुँह से निकली चीख दूर तक गूँजती है, पर वह खाकी के उस बेनाम सीने से टकराकर वापस लौट आती है। वर्दी के नियम भी बड़े दिलचस्प होते हैं, ज़रूरत पड़ने पर वे मोम की तरह पिघल जाते हैं और वक्त आने पर पत्थर से भी ज़्यादा सख्त हो जाते हैं। जब अपने बचाव की बात आए तो खाकी सिर्फ़ एक नौकरी बन जाती है, और जब सामने वाले को कुचलने की बात आए तो वही खाकी असीम अधिकार का रूप ले लेती है। कानून की किताबें तो मेज़ पर बंद पड़ी रह जाती हैं, और सड़क पर बहता हुआ लाल खून धीरे-धीरे उड़ती हुई धूल में जज़्ब होने लगता है।

शाम ढलते-ढलते जब मुआयने का वक्त आता है, तो वही प्लास्टिक के छोटे-छोटे टुकड़े जेबों से बाहर निकल आते हैं। सीने पर सुरक्षा मानकों के हिसाब से दोबारा सजा लिए जाते हैं। अब वे सब के सब फिर से वही कानून के रखवाले बन चुके हैं, जिनकी आँखों में एक अजीब सी मासूमियत तैर रही होती है। उनके चेहरों पर न तो दिन भर के खून के धब्बे दिखाई देते हैं और न ही किसी बेबस की हाय का कोई निशान। जो दर्द उस सड़क पर छूट गया, वह सिर्फ़ उस इंसान का था जिसकी हड्डियाँ चटकी थीं, और उस लाचार व्यवस्था का था जो हर बार अपनी सुविधा के हिसाब से अंधी और बहरी हो जाती है। रात को जब वे अपने-अपने घर लौटेंगे, अपने बच्चों के माथे को सहलाएँगे और थपकी देकर सुलाएँगे, तब क्या उन्हें उस बेनाम मार का ज़रा सा भी अहसास होगा? शायद नहीं। क्योंकि जिस सिस्टम में इंसान का नाम ही उसकी वर्दी से अलग कर दिया जाए, वहाँ ज़मीर की गुंजाइश भी जेब के किसी कोने में ही दबा दी जाती है। सड़क पर पड़ा वह शख़्स रात भर करवटें बदलता रहेगा, अपने टूटे हुए जिस्म को समेटने की कोशिश करेगा, और सोचता रहेगा कि उसकी सबसे बड़ी गलती शायद यही थी कि उसने उस बेनाम खाकी को इंसान समझ लिया था।

एक नजर

विशेष ग्रामसभा का आयोजन 30 जुलाई को, जीपीडीपी निर्माण सहित विकास कार्यों पर होगी चर्चा

बीजापुर 25 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। 16वें वित्त आयोग के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 की ग्राम पंचायत विकास योजना के निर्माण एवं अनुमोदन के लिए ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। तथा सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत विकास योजना का अंतिम रूप ग्राम सभा के माध्यम से दिया जाएगा। 16 वें वित्त आयोग अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए निर्मित ग्राम पंचायत विकास योजना का अनुमोदन ग्राम सभा के माध्यम से किया जाना है, इस हेतु 30 जुलाई को विशेष ग्राम सभा का आयोजन सामान्य क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 6 एवं अनुसूचित क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 129 (ख) अनुसार कराया जाना है। ग्रामसभा में विशेष रूप से वीबी जी राम जी के अंतर्गत प्राथमिकता वाले विकास कार्यों पर ग्राम सभा की स्वीकृति प्राप्त की जावेगी। इनमें बालिका विद्यालयों एवं पीएमश्री विद्यालयों में बालिका शौचालय निर्माण कार्य, जल संरक्षण के लिए सूखे अथवा कम जल वाले बोरवेल के समीप इन्जेक्शन वेल रिचार्ज पिट का निर्माण, जर्जर अथवा अनउपलब्ध मुवित्तधामों के स्थान पर नवीन मुक्तिधाम निर्माण तथा शासकीय उचित मूल्य दुकानों के लिए खद्यान भण्डार निर्माण कार्य शामिल है। इसके अलावा उपलब्ध भूमि पर वृक्षारोपण, आंगनबाड़ी भवन, धरसा सड़क निर्माण कार्य, विद्यालयों में लाईब्रेरी एवं शासकीय भवनों में रैनवाटर हारवेस्टिंग सिस्टम तथा अन्य अनुमेय विकास कार्यों के प्रस्ताव पारित किये जायेंगे।

एनएमडीसी बैलाडीला कबड्डी लीग का भव्य उद्घाटन

बचेली/किरंदुल 25 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। नवरत्न कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड द्वारा अपने नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत 'एनएमडीसी बैलाडीला कबड्डी लीग - सीरीज़ 1' का भव्य उद्घाटन 23 जुलाई 2026 को बचेली स्थित हॉकी ग्राउंड में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। 23 से 26 जुलाई तक आयोजित होने वाली इस मेगा कबड्डी लीग में बैलाडीला क्षेत्र के 26 गांवों की 24 टीमें बड़े जोश के साथ भाग ले रही हैं। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को तराशना, उन्हें पहचान दिलाना और आगे बढ़ने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री रबीन्द्र नारायण (अधिशासी निदेशक, बीआईओएम, किरंदुल कॉम्प्लेक्स तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री कोडाली श्रीधर (मुख्य महाप्रबंधक, बीआईओएम, बचेली कॉम्प्लेक्स),श्री भान सिंह यादव (मुख्य महाप्रबंधक, वर्क्स, बचेली),श्री नंदराम मूड़ामी (अध्यक्ष, जिला पंचायत, दंतेवाड़ा),श्री अरविंद कुंजाम (उपाध्यक्ष, जिला पंचायत, दंतेवाड़ा),श्री सोमडू कडती (सदस्य, जिला पंचायत, दंतेवाड़ा), विभिन्न ग्राम पंचायतों के सम्मानित सरपंचगण उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त समारोह में एनएमडीसी हैदराबाद मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, बैलाडीला लौह अयस्क खदान (किरंदुल एवं बचेली) के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा खेल सलाहकार समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

जिस युवक को परिजनों ने भेजा था सलाखों के पीछे, अब उसी से युवती ने रचाया विवाह

जगदलपुर, 25 जुलाई। बस्तर जिले के जगदलपुर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां केंद्रीय जेल में सजा काट रहा एक कैदी दूल्हा बन गया है, जिस युवती के परिजनों ने उसे 376 के मामले में अंदर करवाया था, अब वह उससे ही शादी करने जा रहा है। जानकारी के अनुसार, राजूर गांव निवासी सुरेश सेठिया और मनमती कश्यप एक-दूसरे से प्यार करते थे। हालांकि, दोनों के अलग-अलग जातियों से होने के कारण युवती के परिजन इस रिश्ते के सख्त खिलाफ थे।

माओवादियों के बारूदी नेटवर्क पर सुरक्षा बलों की बड़ी चोट, बीजापुर के जंगलों से छह डंप बरामद

- आईईडी बनाने की सामग्री, डेटोनेटर, गन पाउडर, रेडियो सेट समेत करीब 30 प्रकार के उपकरण जब्त
- पीड़िया-हिरमगुंडा के जंगलों में सीआरपीएफऔर कोबरा बटालियन का संयुक्त अभियान, बड़े हमलों की साजिश नाकाम

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 25 जुलाई। माओवादी हिंसा पर निर्णायक बढ़त हासिल करने के बाद अब सुरक्षा बलों का अभियान जंगलों में वर्षों से छिपाए गए बारूदी नेटवर्क को पूरी तरह खत्म करने पर केंद्रित हो गया है। इसी क्रम में बीजापुर जिले के पीड़िया-हिरमगुंडा के घने जंगलों में सीआरपीएफ और कोबरा बटालियन ने संयुक्त सर्च अभियान चलाकर माओवादियों के छह डंप बरामद किए हैं। इन डंपों से आईईडी निर्माण में प्रयुक्त विस्फोटक सामग्री, डेटोनेटर, कार्डेक्स वायर, गन पाउडर, रेडियो सेट सहित करीब 30 प्रकार की सामग्री जब्त की गई है।

विश्वसनीय सूचना के आधार पर 22 जुलाई को चलाए गए इस विशेष अभियान के दौरान जवानों ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर चरणबद्ध तरीके से तलाशी ली। सर्च ऑपरेशन के दौरान अलग-अलग स्थानों पर बेहद सुनियोजित तरीके से छिपाकर रखे गए छह डंप बरामद किए गए।

सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, बरामद विस्फोटक सामग्री का उपयोग भविष्य में सुरक्षाबलों की आवाजाही वाले मार्गों पर आईईडी लगाने और बड़े नक्सली हमलों को अंजाम देने के उद्देश्य से किया जाना था। समय रहते इन डंपों की बरामदगी से सुरक्षा बलों ने माओवादियों की संभावित साजिश को विफल कर दिया।

कभी था माओवादियों का गढ़, अब टूट रहा बारूदी नेटवर्क

हिरमगुंडा और पीड़िया क्षेत्र कभी माओवादियों के सबसे मजबूत आधार क्षेत्रों में गिने जाते थे। लेकिन लगातार सुरक्षा अभियानों, नए सुरक्षा शिविरों की स्थापना और प्रशासन की बढ़ती पहुंच के चलते इस क्षेत्र में माओवादी प्रभाव लगभग समाप्त हो चुका है। अब सुरक्षा बल जंगलों में छिपाकर रखे गए हथियारों, विस्फोटकों और अन्य संसाधनों के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के अभियान में जुटे हैं।

जारी है अभियान

31 मार्च 2026 के बाद माओवादी हिंसा पर निर्णायक बढ़त मिलने के बावजूद सुरक्षा बलों ने अपने अभियान में कोई ढील नहीं दी है। अब उनका फोकस उन हथियारों, विस्फोटकों और नकदी के डंपों को तलाशने पर है, जिन्हें माओवादियों ने वर्षों के दौरान जंगलों में छिपाकर रखा था। पिछले चार महीनों में हुई कई बड़ी बरामदगियां इस बात का संकेत हैं कि माओवादियों का सैन्य ढांचा भले ही कमजोर पड़ गया हो, लेकिन उनका लॉजिस्टिक नेटवर्क अब भी जंगलों में बिखरा हुआ है। ऐसे में सुरक्षा बल लगातार अभियान चलाकर इस नेटवर्क को पूरी तरह समाप्त करने में जुटे हुए हैं।

रक्षक ही जब भक्षक बन जाए, बस्तर में खाकी 'पैंथर्स' का खौफनाक चेहरा

आरक्षक के बेटे को इतना प्रताड़ित किया कि नदी में कूदकर दे दी जान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता/मृण्मय बारोई

जगदलपुर 25 जुलाई। बस्तर में कानून-व्यवस्था सुधारने का ढोल पीटकर बनाई गई 'पैंथर स्क्वाड' अब खुद पुलिस महकमे के लिए नासूर और आम अवाम के लिए सरकारी गुंडागर्दी का पर्याय बन चुकी है। बस्तर जिला पुलिस कप्तान की इस 'लाडली' विंग की कार्यप्रणाली पर ऐसा बट्टा लगा है, जिसने पूरी खाकी को शर्मसार कर दिया है। हद तो तब हो गई जब अपनी ही बिरादरी के एक पीड़ित आरक्षक देवेंद्र दास को न्याय के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। आरक्षक ने आरोप लगाया है कि इसी पैंथर स्क्वाड ने उनके 18 वर्षीय मासूम बेटे तरुण दास को तालिबानी अंदाज़ में बेरहमी से पीटा, जिससे आहत होकर उसने इंद्रावती नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली।

थाना जाना बना गुनाह, लाठियों और जूतों से लिखा गया 'तालिबानी इंसाफ'!

पूरा मामला सत्ता और वर्दी के नशे में चूर पुलिसकर्मियों की हैवानियत को उजागर करता है। 24 फरवरी को पुलिस टाउन मोबाइल ने हाटकचोरा से प्रियांशु दास नामक युवक को पकड़ा था। प्रियांशु से मिलने उसका दोस्त तरुण दास (मृतक) थाने पहुंच गया। वर्दीधारियों को तरुण का थाने आना इतना नागवार गुजरा कि 7 जुलाई को पैंथर स्क्वाड के जवान मयंक यादव और उसकी टीम ने उसे जबरन उठाकर गोयलबाड़ा ले जाकर बेरहमी से पीटा।

आरोप के मुताबिक आरक्षक महेंद्र यादव, मोनू ठाकुर, आशीष बंजारे, हासिस बंजारे, वामन सेन और संजय रजावत ने तरुण पर लाठियां बरसाई और लात-जूतों से अधमरा कर दिया। इसके बाद उसे पुलिस लाइन स्थित पंप हाउस ले जाकर दोबारा पीटा गया। जब पंप हाउस संचालक ने बीच-बचाव किया, तो पुलिसकर्मी तरुण को तड़पता छोड़कर भाग खड़े हुए। बाद में आरक्षक वामन सेन उसे घर छोड़ आया, जहाँ उसने माँ को आपबीती सुनाई। लेकिन इससे पहले कि माँ पानी पिला पाती, वामन सेन तरुण को दोबारा उठाकर ले गया। इसके बाद तरुण की नदी में कूदने की खबर आई।

वसूली और फर्जी वाहवाही का ऐसा दस्ता बंद हो: करीब छह महीने पहले बस्तर में अपराध नियंत्रण के नाम पर 'पैंथर स्क्वाड' का गठन किया गया था। लेकिन झूठी वाहवाही लूटने और अफसरों की नजरों में नंबर वन बनने के चक्कर में यह दस्ता अवैध वसूली और निर्दोषों को फंसाने का अड्डा बन चुका है। बस्तर का इतिहास गवाह है कि जब-जब ऐसे विशेष दस्तों जैसे पूर्व की 'चीता स्क्वाड' या 'क्राइम स्क्वाड' का गठन हुआ, तब-तब जनता पर अत्याचार ही बढ़ा है। इसी वजह से राज्य मुख्यालय ने पूर्व में क्राइम स्क्वाड जैसी टीमों पर रोक लगाई थी। पुलिस अपने मूल ध्येय परित्राणाय साधूनाम् (सज्जनों की रक्षा) को भूलकर गुंडागर्दी पर आमादा है।

जनता की जुबानी, पैंथर्स की कारस्तानी,अकारण मारपीट

हाटकचोरा के एक ऑटो चालक के अनुसार, रात के समय घर के बाहर खड़े आम नागरिकों से भी पैंथर स्क्वाड गाली-गलौज और मारपीट करती है।

फर्जी केस का खेल

आकाश नगर के एक ट्रक ड्राइवर का खुलासा है कि महज एक पुड़िया गांजा रखने वाले चालक से अल्फ्र व अन्य नशीली गोलियों की झूठी जब्ती दिखाकर उसे जेल भेज दिया गया ताकि स्क्वाड की फर्जी पीठ थपथपाई जा सके।

पुलिस का घिसा-पिटा जवाब, आरोप निराधार है

हमेशा की तरह विभागीय लीपापोती शुरू हो चुकी है। निरीक्षक भोला सिंह राजपूत का कहना है कि मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही थी। चूंकि मृतक के पिता का बयान दर्ज होना था, इसलिए अलग से आवेदन लेने का औचित्य नहीं था। मारपीट के सारे आरोप मिथ्या हैं।

बस्तर की जनता का अंतिम सवाल

यदि सारे आरोप झूठे हैं, तो एक लाचार पिता अपने ही विभाग और सहकर्मियों पर अपने जवान बेटे की लाश रखकर झूठा आरोप क्यों लगाएगा? क्या बस्तर एसपी इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी (जैसे सीआईडी या न्यायिक जांच) से कराने का साहस दिखाएंगे, या अपने चहेते 'गुंडा ब्रिगेड' के गुनाहों को यूं ही खाकी की आड़ में छिपाते रहेंगे? बस्तर की जनता को अब खोखले दलीलों का जवाब नहीं, सिर्फ और सिर्फ इंसाफ चाहिए।

सबूतों पर 'खाकी' का पहराः मोबाइल तोड़ा, बिसरा जांच से भी परहेज?

मामले में पुलिस की भूमिका पहले दिन से संदिग्ध नजर आ रही है। परिजनों का सीधा आरोप है कि साक्ष्यों को छिपाने का खेल खेला गया है।

टूटा मोबाइल!

तरुण की मौत से ठीक पहले उसका मोबाइल टूट जाना कई सवाल खड़े करता है। कोई व्यक्ति खुदकुशी से ठीक पहले अपना फोन क्यों तोड़ेगा? पुलिस कॉल डिटेल देने से भी कतरा रही है।

बिसरा और फॉरेंसिक जांच गायब!

पानी में डूबने की स्थिति में घुटने की हड्डी का परीक्षण और विसरा जांच बेहद जरूरी होती है, जिसे दबा दिया गया।

दोनों हाथ बंधे हुए थे

पीएम करने वाले डॉक्टर के अनुसार मृतक के पेट में पानी नहीं पाया गया। पानी से बाहर निकाले गए शव की तस्वीरें साफ दर्शाती हैं कि दोनों हाथ बंधे हुए थे और शरीर पर मारपीट के लाल निशान मौजूद थे।

अपनों का दर्द न समझे जो वर्दी, वह जनता को क्या खाक सुरक्षा देगी?

जब एक बेबस पिता जो खुद पुलिस विभाग का हिस्सा है, अपने मृत बेटे के कातिलों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने कोतवाली थाना पहुंचा, तो तत्कालीन टीआई भोला सिंह राजपूत ने सहानुभूति दिखाने के बजाय उसे दुत्कार कर भगा दिया। जब मामले की गुहार सीधे कप्तान साहब (एसपी) से लगाई गई, तो उन्होंने भी मातहतों की करतूतों पर पर्दा डालना ही बेहतर समझा।

सवाल सीधा है जब बस्तर पुलिस अपने ही आरक्षक को न्याय नहीं दे सकती, तो आम जनता की सुरक्षा का जिम्मा क्या सिर्फ भगवान भरोसे है? क्या आला अधिकारियों ने अपने 'चहेते प्यादों' को मनमानी और प्रताड़ना की खुली छूट दे रखी है?

> एसपी बस्तर सुलभ सिंह ने व्हाट्सएप संदेश के माध्यम से बताया कि इस मामले में सारे पहलू पहले ही स्पष्ट किया जा चुके हैं, मृतक के स्वजन को कोई परेशानी हो तो उनसे व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर सकते हैं।

बीजापुर में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई अवैध सागौन काष्ठ और रेंदा मशीन जब्त

- पामेड़ में छापेमारी, 15 नग सागौन चिरान बरामद, वन अपराध का मामला दर्ज

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 25 जुलाई। जिले में अवैध वन गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए वन विभाग लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को ग्राम पामेड़ में छापामार कार्रवाई करते हुए विभाग ने अवैध रूप से रखे गए सागौन काष्ठ और बढ़ई कार्य में उपयोग होने वाली रेंदा मशीन जब्त की है।

यह कार्रवाई वनमण्डलाधिकारी बीजापुर एवं उप वनमण्डलाधिकारी आवापल्ली के निर्देशन में गठित टीम ने की। टीम ने ग्राम पामेड़ निवासी पवन कुमार गडपा के घर पर तलाशी अभियान चलाया, जहां बड़ी मात्रा में सागौन चिरान बरामद हुआ।

तलाशी के दौरान पलंग फ्रेम सहित कुल 15 नग सागौन काष्ठ बरामद किया गया, जिसकी कुल मात्रा 0.202 घन मीटर दर्ज की गई। इसके अलावा मौके से एक रेंदा मशीन भी जब्त की गई। वन विभाग के अनुसार, जब्त रेंदा मशीन का अनुमानित मूल्य ?30,000 तथा सागौन काष्ठ का मूल्य ?14,631 आंका गया है।

इस मामले में वन अपराध प्रकरण क्रमांक 9761/17, दिनांक 24 जुलाई के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। जब्त सामग्री को कार्टिंग चालान क्रमांक 230/01 के माध्यम से काष्ठागार डिपो, बीजापुर में सुरक्षित जमा कराया गया है।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध कटाई, परिवहन और काष्ठ के अवैध भंडारण के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे वन एवं वन्य संपदा के संरक्षण में सहयोग करें तथा किसी भी संदिग्ध या अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल वन विभाग को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

बीजापुर जैसे वन संपदा से समृद्ध जिले में अवैध कटाई पर नियंत्रण प्रशासन की प्राथमिकता में शामिल है। विभाग का मानना है कि इस प्रकार की सतत कार्रवाई से वन संरक्षण को और अधिक मजबूती मिलेगी।

देवशयनी एकादशी आज
भगवान विष्णु आज से चार माह तक क्षीरसागर में करेंगे शयन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 25 जुलाई। आज देवशयनी एकादशी है। अषाढ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवशयनी एकादशी कहते हैं। इस बार 25 जुलाई से 20 नवंबर अर्थात पूरे 119 दिन का तक चार्तुमास होगा। प्राचीन धर्मग्रन्थों व पुराणों के अनुसार देवशयनी एकादशी पर भगवान श्रीहरि विष्णु अपना जगत संचालन का कार्यभार भगवान शिव को सौंप देते हैं जिसके बाद भगवान श्रीहरि विष्णु चार्तुमास के लिए विश्राम में चले जाते हैं। चार माह बाद देवउठनी एकादशी को श्रीहरि विष्णु क्षीरनिद्रा से जागते हैं। आज से चार माह तक सभी प्रकार के मांगलिक कार्यो पर भी विराम लग जाएगा। चार्तुमास भगवान विष्णु का शयनकाल होता है।

पुराणों के अनुसार इस दौरान विवाह, उपनयन संस्कार, गृह प्रवेश सहित विभिन्न मांगलिक कार्य वर्जित माने गए हैं। पुराणों में बताया गया है कि देवशयनी एकादशी के दिन जातकों को सुबह स्नान के बाद भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए। शाम को तुलसी के पौधे पर जल अर्पित कर घी के दीपक जलाने चाहिए । चार्तुमास में भगवान विष्णु के मंत्र विष्णु सहस्रनाम का पाठ करना बड़ा फलदायी होता है। माता तुलसी की पूजा करने से भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी दोनों प्रसन्न होते हैं और जातकों के धन में वृद्धि होती है परिवार में सुख, शांति व समृद्धि आती है। देवशयनी एकादशी को महिलाएं निर्जला व्रत भी रखती हैं। देवशयनी एकादशी के दिन जातकों को सुबह उठकर जल्दी स्नानकर तुलसी को जल अर्पित कर भगवान विष्णु जी का मंत्रोच्चार के साथ पूजा करना चाहिए। पूजा के दौरान भगवान विष्णु को खीर, फल तथा मिठाई का भोग लगाना चाहिए। देशशयनी एकादशी के दिन जातकों को चावल अन्न ग्रहण नहीं करना चाहिए इसे पुराणों में वर्जित माना गया है। इस दौरान सात्विक भोजन कर शुद्धता का ध्यान रखना चाहिए।

भाजयुमो सदस्यता अभियान को लेकर उत्साह 372 युवाओं ने ली भाजपा की सदस्यता

बीजापुर 25 जुलाई। जिले के भोपालपटनम में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के सदस्यता अभियान को बड़ी सफलता मिली। पूर्व मंत्री महेश गागड़ा और भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा की उपस्थिति में आयोजित सदस्यता एवं युवा संवाद कार्यक्रम में 372 युवाओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर संगठन के प्रति अपना विश्वास जताया। कार्यक्रम में नवप्रवेशी युवाओं का पुष्पमाला एवं भाजपा का गमछा पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान भाजपा नेताओं ने युवाओं से संगठन की

विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने कहा कि भाजपा युवाओं को राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति मानती है। भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रेरित होकर युवा आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा रोजगार, शिक्षा, कौशल विकास और डिजिटल सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए गए कार्यों से युवाओं का भरोसा लगातार भाजपा पर मजबूत हुआ है।भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा ने कहा कि युवा शक्ति देश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। संगठन युवाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान कर उन्हें समाज और राष्ट्र सेवा के लिए तैयार कर रहा है। उन्होंने नए सदस्यों से संगठन के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का सफल संचालन भाजयुमो जिलाध्यक्ष हरिहर सहनी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। सदस्यता अभियान के दौरान पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीनिवास मुदलियार, भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग सहित भाजपा एवं भाजयुमो के पदाधिकारियों ने नवसदस्यों का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने तथा अधिक से अधिक युवाओं को भाजपा से जोड़ने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर भाजयुमो प्रदेश महामंत्री कुणाल ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष सतेंद्र ठाकुर, जिला महामंत्री संजय लुक्कड़, पूर्व महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष जया देवी, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष जागर लक्ष्मैया, मंडल अध्यक्ष नरसिंह रेड्डी, चिन्नाराम तेलम, एर्रन्ना अनमुल, तीरथ जुमार, सल्ला प्रताप, के. जी. सुधाकर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तुलिका कर्मा ने किया मांस बाजार का निरीक्षण, दुकान आबंटन और सफाई व्यवस्था पर जताई नाराजगी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 25 जुलाई। शहर के नए मांस बाजार में दुकानों के आबंटन को लेकर मांस विक्रेताओं के बीच असहमति की स्थिति सामने आने के बाद जिला पंचायत सदस्य एवं महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव तुलिका कर्मा ने बाजार स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विक्रेताओं से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर मौजूद अव्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कई मांस विक्रेताओं ने दुकान लगाने वो जगह नहीं मिलने की समस्या बताई। विक्रेताओं का कहना था कि सभी हितधारकों की सहमति से दुकानों का आवंटन किया जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न न हो।

तुलिका कर्मा ने बाजार परिसर में सफाई व्यवस्था की बदहाल स्थिति, गंदगी और अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी पर भी कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि मांस बाजार जैसे संवेदनशील स्थान पर स्वच्छता और व्यवस्थित व्यवस्था बनाए रखना नगर पालिका की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि समय रहते आवश्यक सुधार नहीं किए गए तो इसका असर आम नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है।

उन्होंने नगर पालिका से मांग की कि दुकान आबंटन की प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष एवं पारदर्शी हो तथा सभी मांस विक्रेताओं की सहमति और नियमों के अनुरूप निर्णय लिया जाए। साथ ही बाजार परिसर में नियमित सफाई, पेयजल, जल निकासी और अन्य आवश्यक सुविधाएं भी सुनिश्चित की जाएं।

इधर, इस पूरे मामले को लेकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री ध्रुव ने कहा कि दुकान आबंटन को लेकर उत्पन्न विवाद उनके संज्ञान में आ गया है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में नगर पालिका और मांस विक्रेताओं के बीच बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें सभी पक्षों की बात सुनकर नियमानुसार एवं आपसी सहमति से समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।

नगर पालिका प्रशासन का कहना है कि विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाते हुए सभी पात्र विक्रेताओं के हितों का ध्यान रखा जाएगा, ताकि बाजार का संचालन सुचारू रूप से हो सके और किसी भी प्रकार की असहमति की स्थिति समाप्त हो।

नगरनार स्टील प्लांट भर्ती में बस्तर के युवाओं को प्राथमिकता नहीं मिली तो होगा व्यापक आंदोलन : नवनीत चाँद

जगदलपुर, 25 जुलाई। बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा के मुख्य संयोजक, दंडकारण्य टिप-ट्राला संघ के सचिव एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के बस्तर संभाग अध्यक्ष नवनीत चाँद ने एनएमडीसी स्टील लिमिटेड , नगरनार द्वारा जारी E&ecutive Trainee भर्ती पर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा कि यह भर्ती 102 पदों के लिए जारी की गई है तथा चयन प्रक्रिया में CBT, Group Discussion और Interview का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा किसी भी राज्य के युवाओं के रोजगार अवसरों का विरोध नहीं करता, लेकिन यह प्रश्न अवश्य उठाता है कि जिस बस्तर की जल, जंगल, जमीन और खनिज संपदा पर आधारित उद्योग स्थापित हैं, वहाँ के स्थानीय युवाओं के लिए विशेष रोजगार नीति, कौशल विकास और प्रतिनिधित्व की व्यवस्था कहाँ है?

एक नजर

44 दिव्यांगजनों को 85 निःशुल्क सहायक उपकरण वितरित

महासमुंद, 25 जुलाई। जिले में जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग के समन्वय से दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन गुरुवार को स्थानीय मंगल भवन बसना में किया गया। यह कार्यक्रम एग्रीकल्चर इन्श्योरेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड (ए.आई.सी.) द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) योजना के अंतर्गत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), रायपुर के माध्यम से किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बसना विधायक श्री संपत अग्रवाल शामिल हुए। इस अवसर पर सरायपाली विधायक श्रीमती चातुरी डिग्रीलाल नंद, जनपद पंचायत बसना की अध्यक्ष श्रीमती डिलेश्वरी निराला तथा नगर पंचायत बसना की अध्यक्ष श्रीमती खुशबू अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहीं। अतिथियों द्वारा दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान कर उनके बेहतर जीवन एवं आत्मनिर्भरता की कामना की गई। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर में विकासखंड पिथौरा, बसना एवं सरायपाली के पूर्व चिन्हांकित दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरित किए गए। जिसमें विकासखंड पिथौरा के 7, बसना के 18 तथा सरायपाली के 19 सहित कुल 44 दिव्यांगजनों को 85 सहायक उपकरण निःशुल्क प्रदान किए गए। इनमें 21 बैटरी चालित ट्रायसाइकिल, 8 व्हीलचेयर, 6 श्रवण यंत्र, 12 ट्रायसाइकिल, 2 वॉकिंग स्टिक, 2 सुगम्य केन, 2 टीएलएम किट तथा 2 रोलेटर (बैसाखी) शामिल हैं। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग की उप संचालक श्रीमती संगीता सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बसना श्री स्वप्निल ध्रुव, एलिम्को रायपुर के प्रबंधक श्री बंशीलाल साकेत, कनिष्ठ प्रबंधक श्री धर्मेन्द्र यादव, एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी के रीजनल मैनेजर श्री राजेश बाघमारे, प्रशासनिक प्रबंधक श्री विनीत भाटी सहित समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

जिले में 445.7 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज

रायगढ़, 25 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। रायगढ़ जिले में 24 जुलाई तक 445.7 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। बीते 24 घंटे में जिले में 11.7 मिली मीटर औसत वर्षा हुई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून 2026 से अब तक जिले के रायगढ़ तहसील में 618.4 मिली मीटर, पुसौर में 481.7, खरसिया में 418.7, घरघोड़ा में 262.2, तमनार में 626.2, लैलूंगा में 377.6, मुकडेगा में 307.7, धरमजयगढ़ में 294.4, छाल में 488.3 एवं कापू में 581.5 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

मानसून बाइक रैली से स्वच्छता और सुरक्षित पर्यटन का दिया गया संदेश

धमतरी, 25 जुलाई। जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने, प्राकृतिक पर्यटन स्थलों के संरक्षण तथा स्वच्छता एवं सुरक्षित पर्यटन के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन धमतरी द्वारा आज प्रातः मानसून बाइक रैली का आयोजन किया गया। प्रातः 7 बजे रुद्री चौक से प्रारंभ हुई यह रैली जिले के रमणीय प्राकृतिक पर्यटन स्थल नरहरा जलप्रपात तक पहुंची। रैली के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ पर्यटन, सुरक्षित यातायात तथा जिम्मेदार नागरिक सहभागिता का प्रभावी संदेश दिया गया। रैली में जिला प्रशासन के अधिकारियों, विभिन्न विभागों के कर्मचारियों, युवाओं, बाइक राइडर्स तथा बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मार्ग में आने वाले ग्रामों के ग्रामीणों ने रैली में शामिल प्रतिभागियों का आत्मीय स्वागत कर अभियान के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। इससे जनसहभागिता और सामुदायिक सहयोग की भावना भी परिलक्षित हुई। नरहरा जलप्रपात परिसर पहुंचने पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण बढ़ाने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक धरोहरों को सुरक्षित रखने का संकल्प भी लिया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने पौधों के संरक्षण का संकल्प लेते हुए प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। रैली के दौरान सभी बाइक चालकों ने हेलमेट पहनकर तथा यातायात नियमों का पालन करते हुए अनुशासित एवं सुरक्षित ढंग से यात्रा की। इस आयोजन के माध्यम से यह संदेश भी दिया गया कि पर्यटन का आनंद तभी सार्थक है, जब सुरक्षा नियमों का पालन और प्रकृति के प्रति संवेदनशील व्यवहार दोनों साथ-साथ हों।

अवैध पार्किंग पर सख्ती, औद्योगिक वाहनों के फिटनेस और चालकों की सुविधाओं पर जिला प्रशासन गंभीर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 25 जुलाई । कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर जिले में राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर भारी वाहनों की अवैध पार्किंग की रोकथाम, औद्योगिक वाहनों की अनिवार्य फिटनेस जांच तथा परिवहन व्यवस्था को अधिक सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से एडीएम श्री अपूर्व प्रियेश टोप्पो की अध्यक्षता में ट्रांसपोर्टर्स, उद्योगों एवं खनन कंपनियों के प्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वोच्च न्यायालय के सुओ मोटू रिट याचिका (सिविल) क्रमांक 9/2025 तथा फलोदी दुर्घटना प्रकरण में पारित आदेशों के अनुपालन पर विस्तार से चर्चा की गई। अपर कलेक्टर ने कहा कि राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों के किनारे भारी वाहनों की अवैध पार्किंग किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी।

ऐसे मामलों में नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही सभी उद्योगों, खनन कंपनियों एवं ट्रांसपोर्टर्स से अपने वाहनों की नियमित फिटनेस जांच कराने तथा सड़क सुरक्षा संबंधी सभी मानकों का पालन करने की अपेक्षा की गई।

चालकों के लिए मूलभूत सुविधाएं विकसित करने पर विशेष जोर

बैठक में औद्योगिक एवं खदान क्षेत्रों में आपूर्ति और परिवहन कार्य में लगे भारी वाहनों के चालकों एवं परिचालकों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं विकसित करने पर विशेष बल दिया गया। इस दौरान पर्याप्त पार्किंग स्थल, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, वाहनों पर रेडियम रिफ्लेक्टिव टेप की व्यवस्था, वाहनों की धुलाई के लिए पानी सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा हुई। जिला प्रशासन ने उद्योगों एवं परिवहन से जुड़े सभी पक्षों से इन व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के आधार पर विकसित करने का आग्रह किया।

छह स्थानों पर पार्किंग की मांग, स्थल चयन की प्रक्रिया होगी शुरू

बैठक में ट्रांसपोर्टर्स एवं उद्योग प्रतिनिधियों ने जिले में भारी वाहनों के सुरक्षित पार्किंग स्थलों की आवश्यकता बताते हुए घरघोड़ा बाईपास मार्ग, बंजारी मंदिर के आसपास, पूंजीपथरा, तमनार क्षेत्र, खरसिया के रानी सागर क्षेत्र तथा गिरवानी क्षेत्र में पर्याप्त पार्किंग विकसित किए जाने का प्रस्ताव रखा। इस पर जिला प्रशासन ने मांग को गंभीरता से लेते हुए संबंधित क्षेत्रों में उपयुक्त स्थल चिन्हांकन एवं चयन की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए, ताकि भविष्य में सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को भी अधिक सुगम बनाया जा सके।

बैठक में जिला खनिज अधिकारी, जिला परिवहन अधिकारी, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के अधिकारी, ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी, विभिन्न उद्योगों एवं खनन कंपनियों के प्रतिनिधि सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित संस्थानों से सड़क सुरक्षा, वाहन फिटनेस तथा यातायात नियमों के प्रभावी पालन में सक्रिय सहयोग देने की अपील की।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने निःशुल्क पौधा वितरण वाहन को दिखाई हरी झंडी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 25 जुलाई । प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओपी चौधरी रायगढ़ प्रवास के दौरान आज सुबह अपने निवास कार्यालय से वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, वन मंडल रायगढ़ की अभिनव पहल के तहत निःशुल्क पौधा वितरण वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह पहल प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र के नागरिक केवल एक टोल-फ्री नंबर 8305186853 एवं 18002332631 पर कॉल कर अपने घर तक निःशुल्क पौधे मंगवा सकेंगे। इस अवसर पर महापौर श्री जीवर्धन चौहान, कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी, डीएफओ रायगढ़ श्री अरविंद पीएम सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि वन विभाग ने रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र के लोगों के लिए एक बेहद सराहनीय

व्यवस्था शुरू की है। कोई व्यक्ति अपने घर, आंगन, बाड़ी, बगीचे, खेत, तालाब किनारे या किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर पौधा लगाना चाहता है, तो उसे केवल वन विभाग के टोल-फ्री नंबर पर कॉल करना होगा। कॉल प्राप्त होने के बाद विभाग की टीम सीधे उसके घर पहुंचकर निःशुल्क पौधा उपलब्ध कराएगी। इससे लोगों को पौधों के लिए नर्सरी या कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और अधिक से अधिक लोग वृक्षारोपण से जुड़ सकेंगे। पर्यावरण संरक्षण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान प्रकृति के प्रति सम्मान और मातृऋण चुकाने का प्रतीक है। यदि प्रत्येक नागरिक अपनी मां के नाम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे, तो आने वाले वर्षों में रायगढ़ हरियाली की नई पहचान बन सकता है।

फलदार, छायादार सहित अन्य प्रजातियों के पौधों की होगी उपलब्धता: वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि वन विभाग द्वारा इस योजना के तहत अच्छी गुणवत्ता वाले स्वस्थ पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। नागरिक अपनी आवश्यकता के अनुसार फलदार, छायादार एवं अन्य उपयोगी प्रजातियों के पौधे प्राप्त कर सकेंगे। यदि कोई अपने घर या खेत में आम, अमरूद, नींबू अथवा अन्य फलदार पौधे लगाना चाहता है, तो उन्हें भी प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पौधारोपण तभी सफल होगा जब अच्छे और स्वस्थ पौधे लोगों तक आसानी से पहुंचेंगे, और वन विभाग इसी उद्देश्य से यह सेवा शुरू कर रहा है।

हर नागरिक लगाए एक पेड़, हराभरा बने रायगढ़: वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी: वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र के नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनका संरक्षण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जहां भी थोड़ी-सी जगह उपलब्ध हो- घर का परिसर, बगीचा, तालाब का किनारा, पार्क या अन्य सार्वजनिक स्थल वहां अवश्य पौधारोपण करें। उन्होंने कहा कि एक पेड़ केवल हरियाली नहीं देता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, शुद्ध पर्यावरण और बेहतर जीवन का आधार बनता है। उन्होंने नागरिकों से वन विभाग की इस जनहितैषी योजना का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

आंगनबाड़ी से विद्यालय तक की सफल यात्रा, 8,486 बच्चों का हुआ शाला प्रवेश

■ विद्यारंभ प्रमाण-पत्र के साथ हुई औपचारिक शिक्षा की शुरुआत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 25 जुलाई। जिले में बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा को सुदृढ़ आधार प्रदान करने की दिशा में कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार छह वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों का विभिन्न विद्यालयों में शाला प्रवेश कराया गया। इस अभियान के तहत 8,486 बच्चों ने विद्यालयी शिक्षा की नई शुरुआत की। शाला प्रवेश से पूर्व सभी बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्रों से विद्यारंभ प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। आंगनबाड़ी केन्द्रों में समेकित बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) के अंतर्गत बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य सेवाओं के साथ प्रारंभिक एवं अनौपचारिक शिक्षा भी उपलब्ध कराई जाती है, जिससे वे विद्यालयी शिक्षा के लिए पूरी तरह तैयार होकर प्रवेश लें।

शिक्षा की मजबूत नींव तैयार कर रहे आंगनबाड़ी केन्द्र: आंगनबाड़ी केन्द्र बच्चों के सर्वांगीण विकास की पहली पाठशाला के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यहां बच्चों में सीखने की रुचि, सामाजिक व्यवहार और विद्यालयीन वातावरण के अनुरूप आवश्यक कौशल विकसित किए जाते हैं। यही कारण है कि विद्यालय में प्रवेश के समय बच्चे आत्मविश्वास के साथ अपनी नई शैक्षणिक यात्रा शुरू कर रहे हैं।

जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि जिले में विद्यालयों में प्रवेश लेने वाले 8,486 बच्चों में से 6,385 बच्चों ने शासकीय तथा 2,101 बच्चों ने निजी विद्यालयों में प्रवेश लिया। परियोजनावार देखें तो मुकडेगा में 296, धरमजयगढ़ में 1,402, खरसिया में 1,125, रायगढ़ शहरी में 446, रायगढ़ ग्रामीण में 993, तमनार में 677, लैलूंगा में 690, पुसौर में 917, घरघोड़ा में 952 तथा कापू में 988 बच्चों का शाला प्रवेश कराया गया। बच्चों के विद्यालय में प्रवेश होने पर पालकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में मिली प्रारंभिक शिक्षा से बच्चों को विद्यालय के वातावरण में सहजता से ढलने में मदद मिलेगी। उन्होंने जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत शुरुआत बताया।

29 जुलाई को जिला स्तरीय रोजगार मेला, 173 पदों पर होगी सीधी भर्ती

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 25 जुलाई। जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय रोजगार सेवा अंतर्गत जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, रायगढ़ द्वारा 29 जुलाई को जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेला सुबह 10.30 बजे जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, रायगढ़ में आयोजित होगा। इस मेले में चार प्रतिष्ठित निजी कंपनियां भाग लेंगी, जिनके माध्यम से 173 रिक्त पदों पर योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।

चार कंपनियां करेंगी भर्ती, विभिन्न पदों पर मिलेगा रोजगार

रोजगार मेले में श्रीराम फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू नहरपाली खरसिया रोड, रायगढ़, श्री कृष्णा अर्थ मूवर्स नीयर सीएमओ ऑफिस के पास, रायगढ़ तथा मे.प्रगति फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड, बिलासपुर भाग लेंगी। श्रीराम फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा टू-व्हीलर फाइनेंसर, पर्सनल लोन बिजनेस, लोन ऑफिसर, इंश्योरेंस ऑफिसर एवं कलेक्शन ऑफिसर के 40 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है तथा वेतनमान 10 हजार से 12 हजार रुपये प्रतिमाह होगा। मे. जेएसडब्ल्यू नहरपाली द्वारा अप्रेंटिसशिप के तहत टर्नर, फिटर, कोपा, वेल्डर, पेंटर एवं कारपेंटर के 14 पदों पर भर्ती होगी। इन पदों के लिए आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थी पात्र होंगे। मूवर्स नीयर द्वारा इलेक्ट्रिशियन, वेल्डर, फिटर, टीपर ड्राइवर, एक्सीवेटर ऑपरेटर, लोडर ऑपरेटर एवं अकाउंटेंट सहित 49 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए 10वीं, आईटीआई, मैकेनिकल आईटीआई एवं बीकॉम टेली जैसी शैक्षणिक योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। चयनित अभ्यर्थियों को 10 हजार से 20 हजार रुपये प्रतिमाह तक वेतन मिलेगा। वहीं मे. प्रगति फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड, बिलासपुर द्वारा फील्ड ऑफिसर के 70 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं।

ई-रोजगार पोर्टल में पंजीयन आवश्यक, मौके पर भी होगी सुविधा

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों का ई-रोजगार पोर्टल में पंजीकृत होना आवश्यक है। जिन अभ्यर्थियों का पंजीयन नहीं हुआ है, वे रोजगार मेले के दिन भी मौके पर अपना पंजीयन करा सकेंगे। भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने के लिए सभी अभ्यर्थियों को अपने साथ मूल शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, अंकसूची, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज लेकर उपस्थित होने की सलाह दी गई है। जिला रोजगार अधिकारी ने जिले के योग्य एवं इच्छुक युवाओं से अपील की है कि वे इस रोजगार मेले में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने के अवसर का लाभ उठाएं। रिक्तियों से संबंधित विस्तृत जानकारी ई-रोजगार पोर्टल अथवा जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, रायगढ़ से प्राप्त की जा सकती है।

दंतेवाड़ा में श्रद्धा और भक्ति के साथ निकली बहुडा रथयात्रा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 25 जुलाई। दंतेवाड़ा में भगवान श्रीजगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा की पावन बहुदा यात्रा शुक्रवार को श्रद्धा, आस्था और धार्मिक उल्लास के साथ निकाली गई। गुंडिचा मंदिर से प्रारंभ हुई इस भव्य यात्रा का शुभारंभ दंतेश्वरी मंदिर के मुख्य पुजारी द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। पूजा के पश्चात भगवान श्रीजगन्नाथ के रथ को नगर भ्रमण के लिए रवाना किया गया।

बहुडा यात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। ढोल-नगाड़ों, शंखध्वनि, भजन-कीर्तन और जय श्रीजगन्नाथ के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। भगवान के रथ को खींचने के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। महिलाएं, पुरुष, युवा और बच्चे पारंपरिक वेशभूषा में यात्रा का हिस्सा बने और पूरे मार्ग में भक्ति का अनूठा दृश्य देखने को मिला।

यात्रा गुंडिचा मंदिर से निकलकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए आगे बढ़ी। जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं सामाजिक संगठनों ने भगवान की आरती उतारी, पुष्पवर्षा कर स्वागत किया तथा प्रसाद का वितरण किया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीजगन्नाथ के दर्शन कर परिवार और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

आयोजन को सफल बनाने के लिए मंदिर समिति, स्वयंसेवकों एवं स्थानीय नागरिकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यात्रा के दौरान पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा एवं यातायात की समुचित व्यवस्था की गई, जिससे पूरे आयोजन का संचालन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से हुआ।

बहुदा यात्रा के अवसर पर दंतेवाड़ा में धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी भव्य बना दिया तथा पूरे शहर में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

बहुड़ा यात्रा पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत हुआ पौधारोपण, मुख्य पुजारी हरेन्द्र नाथ जिया बाबा ने लगाया पौधा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 25 जुलाई।भगवान श्रीजगन्नाथ की पावन बहुड़ा यात्रा के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बस स्टैंड पार्किंग परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मां दंतेश्वरी मंदिर के मुख्य पुजारी हरेन्द्र नाथ जिया बाबा के करकमलों से पौधा रोपित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा उनकी देखभाल करने की अपील की। वक्ताओं ने कहा कि मां के सम्मान में लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरित वातावरण का आधार बनेगा। धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का यह संदेश समाज के लिए प्रेरणादायक है।इस अवसर पर नगर पालिका

अध्यक्ष पायल गुप्ता, नगर पालिका उपाध्यक्ष कैलाश मिश्रा, केदार मिश्र, उमेश गुप्ता, राकेश मिश्रा, आशीष मालवीय, रमेश कागदेलवार एवं श्याम जी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने पौधारोपण अभियान को सफल बनाने में सहभागिता निभाई और लोगों से इस अभियान से जुड़ने की अपील की।

बहुड़ा यात्रा के धार्मिक उत्साह के बीच आयोजित यह पौधारोपण कार्यक्रम श्रद्धा, सामाजिक सहभागिता और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम बना, जिसकी स्थानीय नागरिकों ने सराहना की।

लाईवलीहुड कॉलेज धमतरी में दिया जाएगा विभिन्न पाठ्यक्रमों में निःशुल्क प्रशिक्षण

धमतरी, 25 जुलाई। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत लाईवलीहुड कॉलेज धमतरी में जिले के युवाओं को विभिन्न पाठ्यक्रमों में नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए इच्छुक युवा आगामी 31 जुलाई तक सिविल कोर्ट के पास स्थित लाईवलीहुड कॉलेज धमतरी में आवेदन जमा कर सकते हैं। आवेदन के साथ शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, राशनकार्ड आदि दस्तावेजों की फोटोकॉपी तथा पासपोर्ट साईज फोटो जमा करना होगा। सहायक परियोजना अधिकारी, लाईवलीहुड कॉलेज ने बताया कि डोमेस्टिक आईटी हेल्पडेस्क अटेंडेंट प्रशिक्षण के लिए बारहवीं पास तथा असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन (घरेलू वायरिंग एवं मशीन रिपेयरिंग), सिक्युरिटी सुपरवाईजर, सोलर पीवीसी इंस्टालर (सूर्यमित्र), जनरल ड्यूटी असिस्टेंट प्रशिक्षण के लिए दसवीं पास युवा आवेदन कर सकते हैं।

सुशासन सरकार में तेजी से हो रहे विकास कार्य, वित्त मंत्री ने निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर परखी गुणवत्ता

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 25 जुलाई। प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओपी चौधरी ने कहा कि सुशासन की सरकार में रायगढ़ के समग्र विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। शहर में नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शहर की विभिन्न महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में उन्होंने शहर की प्रमुख निर्माणाधीन परियोजनाओं का गुणवत्ता सुनिश्चित करने स्थलीय निरीक्षण भी किया और प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने तथा निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने फोर-लेन सड़क, गोवर्धनपुर पुल, मरीन ड्राइव, दूध डेयरी एवं एफसीआई ऑक्सीजोन, चांदमारी एवं मोदीनगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी और लोहरसिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स सहित कई परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। प्रत्येक स्थल पर उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति, तकनीकी गुणवत्ता, कार्य की समय-सीमा तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि शहर में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए कोतरारोड थाना चौक से ढिमरापुर, ढिमरापुर से सीएमएचओ कार्यालय तिराहा तथा सर्किट हाउस मार्ग सहित विभिन्न हिस्सों में फोर-लेन सड़क निर्माण से यातायात व्यवस्था अधिक सुगम होगी तथा नागरिकों को सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन का लाभ मिलेगा। इसी तरह गोवर्धनपुर पुल शहर की बहुप्रतीक्षित और महत्वपूर्ण परियोजनाओं में से एक है। इसका कार्यादेश जारी हो चुका है तथा शीघ्र ही निर्माण कार्य तेज गति से प्रारंभ होगा।

पुल बनने के बाद शहर के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क बेहतर होगा और लोगों को लंबे समय से चली आ रही आवागमन संबंधी समस्याओं से राहत मिलेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि रायगढ़ में कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाएं पिछले तीन से चार दशकों से विभिन्न कारणों से लंबित थीं। राज्य सरकार अब इन परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि शहर को आधुनिक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें और उनका लाभ अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंचे। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बारिश, गर्मी अथवा सर्दी हर मौसम में विकास कार्यों को गति देने का प्रयास किया जाएगा, ताकि जनता को जल्द से जल्द इन परियोजनाओं का लाभ मिल सके। वित्त मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं, जिससे रायगढ़ को एक आधुनिक, सुव्यवस्थित, सुविधासंपन्न और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित शहर के रूप में स्थापित किया जा सके। निरीक्षण के दौरान महापौर श्री जीवर्धन चौहान, सभापति श्री डिग्रीलाल साहू, कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी, आयुक्त नगर निगम श्री बृजेश सिंह क्षत्रिय सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सफाई में शहर को अलग पहचान दिलाने टीम वर्क के साथ काम करने के निर्देश

बेहतर सफाई के लिए आयुक्त ने नोडल अधिकारियों, सफाई दरोगा एवं वार्ड प्रभारियों की ली बैठक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 25 जुलाई। निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम ने वार्ड के नोडल अधिकारियो, सफाई दरोगा एवं वार्ड प्रभारियों की बैठक ली। बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने टीम वर्क के साथ काम कर सफाई में शहर की अलग पहचान बनाने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि प्लान तैयार कर सुनियोजित काम कर हम सफाई में स्वच्छता सर्वेक्षण में टॉप 10 में स्थान प्राप्त कर सकते है।

आयुक्त मरकाम ने बैठक में कहा कि सफाई में मेहनत दिख रहा है, जिससे शहर में सफाई भी दिख रही है, लेकिन अपेक्षाकृत परिणाम नही मिल पा रहा है। कम मेन पावर तथा सीमित संसाधन में हमारे निगम के लोग अच्छा मेहनत कर काम कर रहे है, जिसे रोज वार्ड भ्रमण के दौरान मै स्वयं देख रहा हूँ, उससे सफाई तो दिख रही है, जिसके लिए मैं सभी को बधाई देता हूँ, लेकिन और अधिक मेहनत कर सफाई मे शहर की अलग पहचान बनानी है। उन्होंने कहा कि इंदौर शहर सफाई में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है, हम भी वैसा काम कर अपने शहर की पहचान बना सकते है। उसके लिये हम टीम भावना के साथ काम कर टॉप 10 में स्थान पा सकते है। उन्होंने कहा कि रोड की सफाई तो करते है, लेकिन उसके किनारे का कचरा नही झिल्ली पन्नी नही उठाते है, लेकिन अब उसमे ध्यान दिया जा रहा है, जिससे रोड के सोल्डर तक सफाई दिख रही है। इसी प्रकार मेहनत करने से हम शहर की सफाई को 15 अगस्त तक अच्छी स्थिति में ला सकते है।

आयुक्त मरकाम ने कहा कि प्लानिंग कर काम करना है, जैसे वर्तमान में धार्मिक स्थल, उद्यान, चैक चैराहा, सार्वजनिक स्थान को चिन्हांकित कर उसकी सफाई कराई जा रही है, अभी दो दिनो में शीतला मंदिर परिसर, तालाब के किनारे की सफाई कर टीप्पर से कचरा उठाया गया। इसी प्रकार मेन रोड, चैक चैराहो की सफाई की जा रही है, जिससे वहा सफाई दिख रही है, इसी प्रकार के कार्य पूरे शहर में करना है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान जब से चला है, जब से डोर टू डोर कचरा संग्रहण हो रहा है, तब से सफाई में सुधार हुआ है और इसको जनता भी महसूस कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारा शहर आदर्श शहर है, हमरे यहा भी बहुत सी खुबसूरत जगहे है, जिसको हमे और भी खुबसूरत बनाना है। उन्होंने कहा कि अपने अपने प्रभारित वार्ड में अच्छा कार्य करे, अपने क्षेत्र के भौगोलिक स्थिति से परिचित होकर प्लांन तैयार कर कार्य करे, जिससे सफाई में वास्तविक परिणाम दिखेगा।

आयुक्त ने वार्ड के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियो से कहा कि नगरीय प्रशासन विभाग की सचिव महोदया के निर्देश पर नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, ताकि शहर में बेहतर काम हो सके। उन्होंने कहा कि सभी नोडल अधिकारी अपने वार्ड में रोड, नाली की सफाई, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, डोर टू डोर कचरा संग्रहण, शौचालयो एवं सार्वजनिक स्थलो की सफाई के साथ साथ पेयजल, निर्माण, सौदर्यीकरण, बारिश में बेहतर प्रबंधन, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, सोलर पेनल का वार्ड में निरीक्षण कर प्रगति लावे।

कार्यपालन अभियंता एवं स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी दीपक खाण्डे ने सभी नोडल अधिकारियो को शासन द्वारा निर्धारित बिन्दु की क्रमवार जानकारी लेकर उसके अनुरूप कार्य करने समझाईस दिए। कार्यपालन अभियंता यू.के.रामटेके व प्रणय मेश्राम तथा स्वास्थ्य अधिकारी राजेश मिश्रा, ने भी शासन के निर्देशानुसार कार्य करने एवं वर्तमान में सफाई में सुधार को देखते हुए और अच्छा कार्य करने की समझाईस दिए। बैठक में तकनीकि अधिकारी सहित स्वच्छता निरीक्षक, सफाई दरोगा व वार्ड प्रभारी उपस्थित थे।

समाचार संक्षेप

सखी संवाद कार्यक्रम से महिला सशक्तिकरण अभियान शुरू

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 जुलाई। महिला कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल को सुरक्षित के साथ-साथ अधिक जागरूक, आत्मविश्वासी और संवाद पूर्ण बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बीएसपी द्वारा सखी संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक उन्मेष भारद्वाज ने किया। कार्यक्रम के दौरान सहायक महाप्रबंधक सुजया राय एवं उनकी टीम ने कार्यस्थल पर प्रभावी संवाद और जागरूकता से जुड़े विषयों पर प्रस्तुति दी। वहीं महाप्रबंधक सुराधिका श्रीनिवासन, सुनीलू भारद्वाज तथा सुबोन्या मुखर्जी ने अपने अनुभव साझा करते हुए महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा और पेशेवर विकास पर विचार रखे। परियोजनाएं विभाग की नियमित कल्याणकारी गतिविधियों के तहत कार्यक्रम में संविदा महिला कर्मियों को पर्यावरण अनुकूल सैनिटरी पैड भी वितरित किए गए। सखी संवाद पहल की अवधारणा कार्यपालक निदेशक पी. के. सरकार के मार्गदर्शन में महिला दिवस 2026 के अवसर पर विकसित की गई थी।

आयुक्त सुरुचि सिंह की पहल पर विकास कार्यों ने पकड़ी गति

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 जुलाई। नगर निगम की आयुक्त सुरुचि सिंह के निर्देशानुसार निगम क्षेत्र में नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों में तेजी लाई गई है। निगम द्वारा शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में सड़क निर्माण, सीमेंटीकरण, नाली निर्माण तथा अन्य आवश्यक विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

निगम प्रशासन के अनुसार 15वें वित्त आयोग मद से एसबीआई कॉलोनी में विकास कार्य एवं नगरोत्थान मद से मार्ग चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। वहीं विकास शुल्क मद से अनुष्ठा रेसिडेंसी में सड़क एवं नाली निर्माण का कार्य प्रगति पर है। इसी प्रकार कैलाश नगर स्थित महावीर मार्ग का सीमेंटीकरण कराया जा रहा है, जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। वहीं कुरूद के सुंदर विहार कॉलोनी में सामुदायिक भवन का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा जामुल ट्रेंचिंग ग्राउंड स्थित निर्माणाधीन डॉग हाउस में जल निकासी की समुचित व्यवस्था के लिए नाली निर्माण का कार्य भी जारी है।

नगर निगम प्रशासन का कहना है कि क्षेत्रीय आवश्यकताओं एवं नागरिकों की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए सभी विकास कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्वक कराए जा रहे हैं। इन कार्यों के पूर्ण होने के बाद संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों को बेहतर सड़क, सुगम आवागमन, प्रभावी जल निकासी एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

एक नजर

स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में अभिजीत की सिल्वर हैट्रिक

भिलाई, 25 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप-2026 में युवा निशानेबाज अभिजीत साराफने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन अलग-अलग स्पर्धाओं में तीन रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचय दिया। अभिजीत ने 25 मीटर पिस्टल और 50 मीटर राइफल सहित तीन विभिन्न वर्गों में तीन सिल्वर मेडल अपने नाम किए। चैंपियनशिप के पुरस्कार वितरण समारोह में छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने मुख्य अतिथि के रूप में अभिजीत साराफको रजत पदक प्रदान कर सम्मानित किया। अभिजीत, भूतपूर्व पुलिस अधीक्षक स्वर्गीय सीताराम सराफके पौत्र तथा युवा उद्यमी संजय सराफके पुत्र हैं।

चरोदा में मिले दुर्लभ करैत का किया गया रेस्क्यू

भिलाई, 25 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। चरोदा क्षेत्र के पंचशील नगर स्थित एक मकान से अत्यंत दुर्लभ श्वेतवर्णी (ल्यूसिस्टिक) करैत सर्प बरामद किया गया। वन विभाग की तत्परता और सर्प विशेषज्ञों की मदद से इस दुर्लभ सर्प का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे राजनांदगांव वनमंडल के उपयुक्त प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया। प्रारंभिक जांच में यह अत्यंत दुर्लभ श्वेतवर्णी करैत (ल्यूसिस्टिक करैत) पाया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि शरीर में रंगद्रव्य (मेलानिन) की कमी के कारण उत्पन्न होने वाली आनुवंशिक अवस्था को ल्यूसिज्म कहा जाता है। इसी कारण इस करैत का रंग सामान्य काले-पीले के बजाय सफेद दिखाई देता है। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार इस प्रकार के श्वेतवर्णी करैत का मिलना बेहद दुर्लभ माना जाता है। दक्षिण एशिया में इसके बहुत कम अभिलेख दर्ज हैं। भारत में अब तक महाराष्ट्र और ओडिशा सहित नेपाल के कुछ क्षेत्रों में ही ऐसे करैत के मिलने की जानकारी उपलब्ध है।

पुलिस अधीक्षक ने रक्षित केंद्र में ली जनरल परेड

परेड व वेशभूषा के निरीक्षण के साथ-साथ पुलिस के आपातकालीन व शासकीय वाहनों की जांच की गई

- परेड में जिले के वरिष्ठ अधिकारी और 128 पुलिस जवान रहे उपस्थित
- उत्कृष्ट वेशभूषा व अनुशासित टर्न-आउट प्रदर्शित करने वाले 4 पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को किया गया पुरस्कृत
- शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और मुस्तैदी बनाए रखने हेतु पुलिस अधीक्षक ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 25 जुलाई। जिला पुलिस बलौदाबाजार-भाटापारा में शारीरिक दक्षता, उच्च स्तरीय अनुशासन और वेशभूषा का स्तर उच्च कोटि का बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक गौरव राय ([illegible]) के नेतृत्व में आज दिनांक 24.07.2026 को रक्षित केंद्र बलौदाबाजार में भव्य 'जनरल परेड' का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक ने परेड की सलामी ली और परेड में शामिल बल का बारीकी से निरीक्षण किया।

परेड व शासकीय वाहनों का सघन निरीक्षणः- जनरल परेड के दौरान पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने परेड में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के टर्न-आउट (वेशभूषा, वर्दी की सज-धज, टोपी, जूते एवं बैज) का गहनता से निरीक्षण किया। परेड के उपरांत एसपी महोदय द्वारा जिले के शासकीय वाहनों, डायल 112, पेट्रोलिंग गाड़ियों व आपातकालीन वाहनों का भी भौतिक निरीक्षण किया गया। उन्होंने वाहनों के रखरखाव, लॉग बुक और तकनीकी स्थिति की जांच करते हुए वाहन चालकों एवं प्रभारियों को गाड़ियों को हमेशा मुस्तैद रखने के निर्देश दिए ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल रिस्पॉन्स दिया जा सके।

उपस्थित वरिष्ठ अधिकारीगण व पुलिस बलः- जनरल परेड में मुख्य रूप से नव-पदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खोमन सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार, तारेश साहू (एसडीओपी भाटापारा), संजय साहू (उप पुलिस अधीक्षक, यातायात), राजेश श्रीवास्तव (उप पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय) रक्षित निरीक्षक उषा ठाकुर सहित जिले के समस्त थानों, चौकियों एवं पुलिस कार्यालयों से कुल 128 की संख्या में पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। परेड के अंत में पुलिस अधीक्षक ने सभी जवानों को स्वस्थ रहने, नियमित व्यायाम करने, ड्यूटी के दौरान आम जनता से शालीनतापूर्वक व्यवहार करने और जिले में शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु सदैव तत्पर रहने का संदेश दिया।

उत्कृष्ट टर्न-आउट के लिए 4 अधिकारी/कर्मचारी पुरस्कृत

निरीक्षण के दौरान जिन अधिकारी-कर्मचारियों की वेशभूषा, टर्न-आउट और टर्न-ऑफ उत्तम व अनुकरणीय दर्ज पाए गए, उनका उत्साहवर्धन करने हेतु पुलिस अधीक्षक गौरव राय द्वारा नगद/उचित ईनाम से पुरस्कृत किया गया।

1. निरीक्षक नरेश दिवान (तैनातीः यातायात सिमगा)
2. प्रशिक्षु उप निरीक्षक राहुल मिरी (तैनातीः थाना सुहेला)
3. प्रधान आरक्षक 236 शेखर सिंह चंदेल (तैनातीः रक्षित केंद्र बलौदाबाजार)
4. महिला आरक्षक 328 उत्तरा निराला (तैनातीः थाना अजाक)

वार्ड एक में 35 लाख के विकास कार्य के लिए महापौर ने किया भूमिपूजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 25 जुलाई। जनकल्याण और समग्र विकास के संकल्प को साकार करते हुए छत्तीसगढ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा अधोसंरचना मद अंतर्गत वार्ड विकास के लिए स्वीकृत राशि से वार्ड नं. 1 में लगभग 35 लाख रूपये की लागत से विकास कार्य कराने महापौर मधुसूदन यादव ने पूजा अर्चना कर भूमिपूजन किया।

भूमिपूजन अवसर पर महापौर यादव ने कहा कि 19.50 लाख रूपये की लागत से शीतला तालाब के पास नाली निर्माण, 9.73 लाख रूपये की लागत से बाबूटोला मे शेड निर्माण एवं 5 लाख रूपये की लागत से दुर्गा मंदिर के पास भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए भूमिपूजन किया जा रहा है। यह कार्य वार्डवासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शीतला तालाब के पास नाली निर्माण हो जाने से तालाब में गंदा पानी जाना बंद हो जायेगा, इस संबंध में बहुत दिनों से मांग की जा रही थी। उन्होंने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड का संतुलित एवं योजनाबद्ध विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से नागरिकों के जीवन को अधिक सुविधाजनक एवं बेहतर बनाया जा रहा है। वार्डवासियों ने इस विकास कार्य के लिए महापौर जी का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में नगर निरंतर प्रगति और विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। भूमिपूजन के अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, लोक निर्माण विभाग के प्रभारी सदस्य सावन वर्मा, पार्षद मनोहर यादव, नामांकित पार्षद भीष्म देवांगन, पूर्व पार्षद शरद सिन्हा आदि मौजूद थे।

आवारा कुत्तों और पशुओं पर कार्रवाई करे सरकार : कुसुम

राजनांदगांव, 25 जुलाई। शहर जिला कांग्रेस कमेटी की महामंत्री एवं अधिवक्ता कुसुम दुबे ने शहर में आवारा कुत्तों की बाढ़ एवं गौमाताओं के सड़कों पर बैठे रहने पर हो रही दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए जीव जंतु कल्याण बोर्ड छ ग शासन के क्रियाशील उपाध्यक्ष आलोक चंद्राकर जी को पत्र लिखकर सम्यक कार्यवाही की मांग की है। महामंत्री एवं अधिवक्ता कुसुम दुबे ने बताई की शहर के सभी क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की जिस प्रकार से बाढ़ आ गई है उसे आए दिन कुत्ता काटने की घटना एवं कुत्तों के हमले की बातें लगातार सामने आ रही है और तो और शहर के सीमा अंतर्गत वार्डो में रात में सैकड़ो कुत्ते की भयावह झुंड को देखकर आम जनता भयभीत जीवन जीने को विवश है ऐसी स्थिति में प्रशासन को आवारा कुत्तों के धर पकड़ की मुहिम में तेजी लाकर आम जनता को राहत देने की मजबूत कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। वहीं दूसरी ओर गौमाताए लगातार सड़कों में बैठी रहती हैं जिसके कारण भी दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं और गौ माताएं भी चोटिल हो रही हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

क्रमांक/510/रा.वि./नामांतरण/न.पा./2026 बलौदाबाजार, दिनांक 25/06/2026

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार क्षेत्र के अधिपत्य अधिकार के अंतर्गत मासिक किरायादार/पट्टेदार के नाम पर दर्ज निम्नलिखित नीचे दर्शित हस्तांतरणकर्ता के सहमति पर हस्तांतरीती के नाम पर हस्तांतरीत किये जाने एवं संसोधन कर अभिलेख नाम दर्ज किये जानें के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, उनके आवेदन पत्र विचारधीन है।

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम व पता	हस्तांतरिती का नाम व पता	दुकान	हस्तांतरण का स्वरूप
01	02	03	04	05
1	श्री अशोक कुमार पिता स्व. चेतनदास नागदेव निवासी-बलौदाबाजार, बलौदाबाजार, तहसील बलौदबाजार जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)	श्री कृष्ण कुमार नागदेव पिता स्व. चेतनदास नागदेव निवास- बलौदाबाजार तहसील बलौदाबाजार जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)	नया बस स्टैण्ड दुकान नं. -33 08×15=120 वर्गफीट	पारिवारिक

अतः उक्त नामांतरण के संबंध में हितबद्ध व्यक्ति, व्यक्ति समूह अथवा संस्था जिन्हें प्राप्त हो अथवा किसी प्रकार की आपत्ति या दावा हो तो वे अपनी आपत्ति या दावा की सूचना प्रकाशन के 30 दिन के अंदर लिखित में अपने पक्ष के समर्थन में दस्तावेज अभिलेख/प्रमाणित सत्य प्रतिलिपि को संलग्न करते हुए एवं ऐसे अन्य साक्ष्य जिन्हें वे अपने आपत्ति या दावा को प्रमाणित करने के लिए प्रस्तुत करना पर्याप्त एवं उचित समझे की सूची के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। 30 दिन के गणना में सूचना प्रकाशन का दिन भी सम्मिलित किया जावेगा यदि 30 दिन या उसके बाद लगातार अवकाश दिवस कार्यालय के लिए घोषित हो तो उसके पश्चात्वर्ती कार्यालयीन दिवस को ऐसे लिखित आपत्ति या दावा प्रस्तुत किया जा सकेगा, किन्तु अपूर्ण अथवा अस्पष्ट या तथ्य एवं प्रमाण रहित किसी आपत्ति या दावे पर विचार नहीं किया जावेगा तथा उसे बिना किसी लिखित पूर्व सूचना और बिना सुनवाई के नस्तीबद्ध कर दिया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार

कार्यालय नगरपालिक निगम भिलाई

-:::निविदा आमंत्रण सूचना:::-

क्रमांक/1386चार/रा.वि./2026/150 भिलाई, दिनांक 15/07/2026

नगरपालिक निगम, भिलाई द्वारा रिक्त दुकानों को 30 वर्षीय लीज पर दिये जाने हेतु निविदा/प्रस्थापना ऑनलाईन पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in/ में दिनांक 14.07.2026 शाम 05:30 बजे से आमंत्रित की जाती है। ऑनलाईन दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि 04.08.2026 सायं 5.30 बजे तक है, जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र.	योजना का नाम	आवसन क्र.
01	उत्तर गंगोत्री व्यवसायिक परिसर	195133, 195135, 195136
02	आकाश गंगा व्यवसायिक परिसर	195137, 195138, 195139
03	प्रगति काम्पलेक्स	195140, 195141, 195142, 195143, 195144, 195145, 195146, 195147, 195148, 195153, 195154, 195155, 195156, 195157, 195158, 195159, 195161, 195162, 195163, 195164, 195165, 195166, 195167, 19516
04	बस स्थानक पावर हाउस	195170, 195171, 195172, 195173, 195174

विस्तृत जानकारी (नियम/शर्तें) सूचना पटल एवं पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in/, https://bhilainagarnigam.com/ व https://uad.cg.gov.in/ पर देखी जा सकती है किसी भी प्रकार के संशोधन केवल उक्त वेबसाइट पर ऑनलाईन ही जारी किये जाएंगे।

उपायुक्त
नगर पालिक निगम
भिलाई

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभांग, कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

निविदा निरस्तीकरण आदेश

आदेश क्र./3975/व.ले.लि./2026-27 कोटा, दिनांक 23/07/2026

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, शिवनाथ भवन, नार्थ-ब्लॉक सेक्टर-19, नवा रायपुर (छ.ग.) क पत्र क्र. 4242022/छ.ग./2026/निविदा/1774 दिनांक 23.02.2026 के परिपालन में निविदा सूचना क्र. 09/व.ले.लि./2025-26 दिनांक 03.12.2025 सिस्टम निविदा क्र. 180989 द्वितीय आमंत्रण (जी. नंबर 252605228/2) दिनांक 05.12.2025 बिलासपुर जिले के विकासखण्ड तखतपुर अंतर्गत मनियारी नदी पर विजयपुर एनीकट निर्माण कार्य राशि रू. 673.58 लाख निविदा के द्वितीय आमंत्रण में न्यूनतम ठेकेदार (L1) में अनुबंध नहीं करने के फलस्वरूप निविदा निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग कोटा
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

जी- 262702352/9

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग नारायणपुर संभाग नारायणपुर (छ.ग.)

निविदा संशोधन सूचना

क्रमांक 3224 /व.ले.लि./2026-27 नारायणपुर दिनांक 22/07/2026

इस कार्यालय के ज्ञाप क्रमांक 2990/व.ले.लि./नारायणपुर दिनांक 10.07.2026 द्वारा संवाहित निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 09/व.ले.लि. दिनांक 10.07.2026 में दर्शित तिथि में विभागीय सर्वर बंद रहने के कारण निम्नानुसार आंशिक संशोधन किया जाता है।

क्र.	विवरण	पूर्वानुसार तिथि	संशोधित तिथि
1	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि	21.07.2026	29.07.2026
2	निविदा प्रपत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि	28.07.2026	04.08.2026
3	निविदा खोलने की तिथि	29.07.2026	05.08.2026

टीपः- निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।
सहपत्र :- शून्य।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग
नारायणपुर

जी- 262702335/4

मंत्री टंक राम वर्मा की पहलः तिल्दा विकासखंड को डीएमएफ से 3 करोड़ की सौगात

परसदा सहित 26 गांवों में स्कूल, आंगनबाड़ी और सड़कें बनेंगी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा, 25 जुलाई। बलौदा बाजार विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व, आपदा प्रबंधन मंत्री टंक राम वर्मा के प्रयासों से तिल्दा विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों को जिला खनिज संस्थान न्यास मद से 3 करोड़ रुपये की बड़ी सौगात मिली है। इस राशि से तिल्दा विकासखंड में कुल 26 विकास कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इन कार्यों में शिक्षा, महिला एवं बाल विकास तथा ग्रामीण अधोसंरचना से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। स्वीकृति की सूचना मिलते ही क्षेत्र के ग्रामीणों, विद्यार्थियों और अभिभावकों में खुशी की लहर है।

मंत्री टंक राम वर्मा ने विधानसभा क्षेत्र के भ्रमण के दौरान ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकर्ताओं से प्राप्त मांगों को प्राथमिकता देते हुए छ्रूब्न के माध्यम से प्रस्ताव तैयार कराया। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण ग्राम परसदा जोता में देखने को मिला जहां शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन की मांग उठने के लगभग 15 दिनों के भीतर 20 लाख रुपये की स्वीकृति मिल गई। ग्रामीणों ने इस त्वरित निर्णय के लिए मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है।

मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को शहरों जैसी बेहतर शिक्षा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए जर्जर स्कूल भवनों के स्थान पर नए भवन बनाए जाएंगे। इसके साथ ही अतिरिक्त कक्षों और आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण भी कराया जाएगा ताकि बच्चों को सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण में शिक्षा प्राप्त हो सके।

स्वीकृत कार्यों के तहत गुरुसुदा और परसदा जोता में 20-20 लाख रुपये की लागत से शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन बनाए जाएंगे। वहीं बौरझिरडी, किरना, कंगारी खुहरीया, बेरसर, केंवटरा, सुगरा, मझगुनी, सिलपट्टी, तारीशिव, भुमिया और कांटा में 10-10 लाख रुपये से अतिरिक्त कक्षों का निर्माण होगा। छछानपहरी, ओटगन, टण्डवा के केंद्र क्रमांक 1 एवं 2, तारीशिव और छपोरा में 15-15 लाख रुपये की लागत से नवीन आंगनबाड़ी भवन बनेंगे।

इसके अतिरिक्त खबरिया में आंगनबाड़ी भवन का जीर्णोद्धार, सिरवे में आंगनबाड़ी भवन का जीर्णोद्धार एवं शौचालय निर्माण, खपरीकला के हाई स्कूल में आहाता निर्माण और सरारीडीह के गौठान में आहाता निर्माण किया जाएगा। तुलसी मागरपुर में सीसी रोड, टण्डवा में सड़क निर्माण और सिरवे के पीएमश्री स्कूल में प्रवेश मार्ग का निर्माण भी इसी स्वीकृति में शामिल है।

एक नजर

वेलनेस इवेंट का आयोजन

रायपुर, 25 जुलाई। अविनाश वन स्थित प्रीमियम 'लुक्स सैलून' द्वारा यंग इंडियंस हर्ड के सहयोग से एक बेहद खास और लक्ज़री वेलनेस व ग्रूमिंग इवेंट का आयोजन किया गया। इस शानदार दोपहर में 'यंग इंडियंस' की 50 से अधिक प्रमुख महिला सदस्यों ने शिरकत की, जिन्हें हेयर कंसल्टेशन और स्किन वेलनेस के जरिए खुद को पैम्पर करने का मौका मिला। इसके साथ ही 'रोमियो लेन' द्वारा परोसे गए लजीज व्यंजनों ने इस इवेंट के मजे को दोगुना कर दिया। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण इंडस्ट्री की दो जानी-मानी हस्तियां रहीं–केरास्टेस की हेड मोनिषा भाटिया और लुक्स सैलून के टेक्निकल हेड मनी बरेजा। दोनों दिग्गजों ने इवेंट में पहुंचीं महिलाओं के साथ वन-ऑन-वन (व्यक्तिगत) चर्चा की और उनके स्कैल्प व स्किन का बारीकी से विश्लेषण किया। इस दौरान उन्होंने सभी को सही देखरेख के तरीके बताए और बालों व त्वचा को सेहतमंद रखने के आधुनिक टिप्स भी साझा किए।

हिंदुस्तान जिंक का पहली तिमाही में रिकॉर्ड प्रदर्शन

रायपुर, 25 जुलाई। दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत जस्ता (जिंक) उत्पादक कंपनी और वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 चांदी उत्पादकों में शामिल हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (बीएसईः 500188 7 एनएसईः हिंदजिंक) ने वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत अब तक के सबसे शानदार पहली तिमाही के प्रदर्शन के साथ की। कंपनी ने परिचालन से 13,747 करोड़ का अब तक का सबसे अधिक तिमाही राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 77% अधिक है। वहीं, 8,074 करोड़ का अब तक का सबसे अधिक तिमाही EBITDA दर्ज किया, जिसमें 109% की वृद्धि हुई। कंपनी का शुद्ध लाभ भी ?5,469 करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा, जो साल-दर-साल 145त्न अधिक है। इस मजबूत वित्तीय प्रदर्शन के पीछे पहली तिमाही में अब तक का सबसे अधिक 268 किलो टन खनन धातु उत्पादन और 851 अमेरिकी डॉलर प्रति टन की अब तक की सबसे कम तिमाही जस्ता उत्पादन लागत रही। यह कंपनी की मजबूत परिचालन क्षमता, प्रभावी लागत प्रबंधन और उद्योग में उसकी प्रतिस्पर्धी बढ़त को दर्शाता है। हिंदुस्तान जिंक ने रिकॉर्ड मुनाफा, मजबूत नकदी प्रवाह और बेहतर मार्जिन दर्ज करते हुए दुनिया के सबसे कम लागत वाले जस्ता उत्पादकों में अपनी स्थिति और मजबूत की है। साथ ही, कंपनी ने दीर्घकालिक विकास के लिए भी मजबूत आधार तैयार किया है।

अवैध शराब खपाने वाले अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़

रायपुर, 25 जुलाई। भाटापारा शहर पुलिस ने एक बड़े अंतरराज्यीय अवैध शराब तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए ट्रेन के माध्यम से महाराष्ट्र के गोंदिया से अवैध देशी शराब लाकर स्थानीय बाजार में खपाने वाले दो शातिर तस्करों को रंगे हाथों दबोचा है।ट्रेन से मंगवाते थे खेप, पकड़े गए आरोपी बेहद शातिर तरीके से इस अवैध कारोबार को अंजाम दे रहे थे। वे किसी को पैसा देकर ट्रेन के जरिए गोंदिया (महाराष्ट्र) से अवैध शराब की खेप मंगवाते थे। इसके बाद भाटापारा शहर और आसपास के इलाकों में बिना नंबर प्लेट वाली स्कूटी (पंजीयन संख्या ष्टत्र 22 ञ्ज 3921) का इस्तेमाल कर इसकी डिलीवरी करते थे। भाटापारा शहर पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफआबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और मुख्य सरगना की तलाश में जुट गई है।

निधन

प्रशांत दुबे

रायपुर, 25 जुलाई। देवादा वाले मिलेनियम चौक, सुन्दर नगर निवासी प्रशान्त दुबे (बालू) का चिकित्सकीय उपचार के उपरांत आज सुबह 9.30 बजे निधन हो गया वे स्वर्गीय दुष्यंत दुबे के सुपुत्र तथा सुनंदा शर्मा (रानी) व पूजा शर्मा (मोनी) के बड़े भाई थे। उनकी अंतिम यात्रा उनके निज निवास सुन्दर नगर मिलेनियम चौक से महादेवघाट के लिए निकली।

बिजली बिल समाधान योजना से उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत : साय

रायपुर, 25 जुलाई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश में संचालित मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना की प्रगति की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लंबे समय से बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के बिजली बिल लंबित रहने और बढ़ते सरचार्ज की शिकायतें मिल रही थीं। विशेषकर कोरोना काल के दौरान कई परिवार नियमित भुगतान नहीं कर सके, जिससे बकाया राशि लगातार बढ़ती गई।इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने बिजली बिल समाधान योजना शुरू की, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके और पुराने बकाया का समाधान हो सके।

42 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं को मिला लाभः मुख्यमंत्री के अनुसार, जिन उपभोक्ताओं के बिजली बिल अधिक हो गए हैं, वे संबंधित बिजली कार्यालय में पंजीयन कर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। अब तक 42 हजार से अधिक उपभोक्ता इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं और आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ने की उम्मीद है।

700 करोड़ रुपये से अधिक का सरचार्ज होगा माफः मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया कि योजना के तहत सरकार 700 करोड़ रुपये से अधिक का बिजली सरचार्ज माफकर रही है। इससे हजारों परिवारों को आर्थिक राहत मिलेगी और लंबे समय से लंबित बिजली बिलों का बोझ कम होगा।उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य आम उपभोक्ताओं को राहत देना, बकाया बिलों का समाधान करना और लोगों को बिना अतिरिक्त आर्थिक दबाव के नियमित बिजली भुगतान के लिए प्रोत्साहित करना है।

विप्र कॉलेज में स्थापना दिवस महोत्सव

रायपुर, 25 जुलाई। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति संचालित विप्र महाविद्यालय में सिद्धि विनायक स्थापना दिवस महोत्सव पर यतिप्रवर दंडी स्वामी डॉ.इंदुभवानंद तीर्थ महाराज के आशिर्वाद से मोदक अर्चन, दूब अर्चन, भगवान सत्यनारायण की कथा एवं हवन-पूजन आचार्य धर्मेंद्र महाराज के मार्गदर्शन में आचार्य महेंद्र एवं अभिनव महाराज ने संपन्न कराया। विप्र कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि विप्र कॉलेज के 31 वें एवं विप्र पब्लिक स्कूल के 9वें स्थापना दिवस पर आयोजित महोत्सव के अवसर पर महाविद्यालय प्रांगण स्थित गणेश मंदिर में प्रमुख आचार्य धर्मेंद्र महाराज के मार्गदर्शन में महेंद्र महाराज ने मोदक अर्चन, दूब अर्चन, कथा एवं हवन-पूजन का कार्यक्रम संपन्न कराया। पूजन उपरांत प्रसाद का वितरण किया गया।

इस अवसर पर विप्र शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, नरेंद्र तिवारी,अविनाश शुक्ला,सुबीर तिवारी, उमाकांत शर्मा,आनंद पाण्डेय,नटराज शर्मा,प्रो. उषा दुबे, पदमा ओझा, प्रकाश तिवारी, सहित समस्त संचालकगण, स्कूल और कॉलेज के प्राध्यापक व विद्यार्थी एवं विप्र समाज के सदस्य उपस्थित थे।

दुबई में 15 साल से छिपे रेलवे टिकट दलाल ने किया आत्मसमर्पण

रायपुर, 25 जुलाई। रेलवे टिकट दलाली के 22 साल पुराने मामले में फरार चल रहे एक शातिर आरोपी ने आखिरकार विशेष रेलवे न्यायालय रायपुर में आत्मसमर्पण कर दिया। आरोपी पिछले 15 वर्षों से अपनी पहचान छिपाकर दुबई में ड्राइवरी कर रहा था। उसके खिलाफसाल 2012 से स्थायी गिरफ्तारी वारंट (पीएनबीडब्ल्यू) जारी था। रेलवे सुरक्षा बल दुर्ग की लगातार दबिश, सटीक रणनीति और परिजनों को दी गई समझाइश के बाद आरोपी भारत लौटने पर मजबूर हुआ। आरपीएफ से मिली जानकारी के अनुसार, साल 2004 में रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट दुर्ग में आरोपी तिजेंदर सिंह उर्फ टिंकू (46 वर्ष), निवासी लक्ष्मी नगर, सुपेला के खिलाफ रेलवे अधिनियम की धारा 143 (टिकटों का अवैध कारोबार) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

इस मामले में विशेष रेलवे न्यायालय रायपुर ने 18 अप्रैल 2012 को आरोपी के खिलाफस्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया था, लेकिन आरोपी लगातार फरार चल रहा था।दुर्ग से पंजाब और फिर दुबई तक पहुंचा सुरागवारंट तामीली के लिए जब आरपीएफ की टीम सुपेला स्थित पते पर पहुंची, तो आरोपी वहां नहीं मिला। मुखबिरों से सक्रिय रूप से मिली जानकारी के आधार पर पता चला कि आरोपी छत्तीसगढ़ छोड़कर पंजाब के गुरदासपुर जिले के बटाला स्थित अपने पैतृक गांव चला गया है। आरपीएफ की टीम तत्काल बटाला पहुंची, जहां आरोपी के माता-पिता और पत्नी ने खुलासा किया कि तिजेंदर पिछले 15 साल से दुबई में रहकर ड्राइवर की नौकरी कर रहा है।

आरपीएफ दुर्ग की समझाइश आई काम

दुर्ग आरपीएफ ने आरोपी के परिजनों को वारंट की प्रति और कानूनी नोटिस सौंपकर लगातार उनसे संपर्क बनाए रखा। टीम ने परिवार को समझाया कि अदालत में पेश होकर कानूनी प्रक्रिया पूरी करना ही एकमात्र रास्ता है। इसके बाद आरोपी दुबई से भारत लौटा और 24 जुलाई को अपने वकील के साथ रायपुर के विशेष रेलवे न्यायालय में पेश हो गया।अदालत में आरोपी ने अपनी पहचान और अपराध दोनों स्वीकार कर लिए।

निःशुल्क एआई वर्कशाप का आयोजन

रायपुर, 25 जुलाई। युवा कैट प्रदेश अध्यक्ष कान्ति पटेल, प्रदेश महामंत्री रतनदीप सिंह एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष भरत भूषण गुप्ता ने बताया कि युवा कैट छत्तीसगढ़ द्वारा रायपुर स्थित कैट कार्यालय में एक निःशुल्क एआई वर्कशाप का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य व्यापारियों, उद्यमियों एवं युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की नवीन तकनीकों से परिचित कराना तथा उनके व्यवसाय में AI के प्रभावी उपयोग के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इस अवसर पर कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व्यापार जगत में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का माध्यम बन चुका है। यदि व्यापारी समय के साथ नई तकनीकों को अपनाते हैं, तो वे अपने व्यवसाय को अधिक प्रभावी, आधुनिक एवं प्रतिस्पर्धी बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि युवा कैट लगातार व्यापारियों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने एवं उन्हें आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

मोदी सरकार को सत्ता में बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं

रायपुर, 25 जुलाई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि जिस प्रकार से पूरे देश में मोदी सरकार के खिलाफ आम जनता विरोध में है। छात्र नौजवान दिल्ली के जंतर-मंतर से लेकर देश के हर शहर में आंदोलन कर रहे है। यह बताता है कि सरकार जनता के विश्वास खो चुकी है। प्रधानमंत्री अपनी विफलता स्वीकार करें तथा तत्काल अपने पद से इस्तीफा दें। किसी प्रधानमंत्री और सरकार के खिलाफ देश के युवाओं में ऐसा आक्रोश पहली बार देखने को मिल रहा है।

सरकार लोगों को डंडे के जोर पर विस्थापित कर रहीः प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राजधानी रायपुर के नकटी से लेकर सरगुजा, बस्तर सभी जगह आम आदमी को बेदखल करने की कार्यवाही सरकार के द्वारा की जा रही है। सूरजपुर में कोयला खदान के लिए ग्रामीणों को विस्थापित करने पुलिस के द्वारा बल प्रयोग किया गया वहां अप्रिय स्थिति निर्मित हुई। सूरजपुर, हसदेव, तमनार, छुईखदान बस्तर में आदिवासियों एवं आम लोगों की जल, जंगल, जमीन पर कब्जा करने दमनकारी कार्यवाही लगातार हो रही है। सूरजपुर जिला में जनता, भूमि अधिग्रहण में जमीन के बदले जमीन मांग रही है लेकिन सरकार उनका जमीन छीनकर पूंजीपतियो को देना चाहती है, बदले में छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों को जमीन नहीं देना चाहती है। ये जनता के साथ अन्याय है।सरकार किसी को विस्थापित करना चाहती है तो वहां के प्रभावितों को विश्वास में ले तथा उनका विस्थापन करे। डंडे के जोर पर विस्थापन अस्वीकार्य है।

छत्तीसगढ़ में यूसीसी आदिवासियों के हितों, अधिकारों पर डाका डालने की कोशिशः प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में यूसीसी लागू होता तो सबसे बड़ा नुकसान छत्तीसगढ़ के आदिवासियों को होगा। यूसीसी छत्तीसगढ़ के आदिवासियों के खिलाफ है, राज्य में केवल आदिवासी ही ऐसे है जिन्हें प्रदेश में निवासरत अन्य लोगों की अपेक्षा विशेष संवैधानिक संरक्षण मिला हुआ है।

चेम्बर ने पुलिस उपायुक्त से की मुलाकात

रायपुर, 25 जुलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के कुशल नेतृत्व में चेम्बर प्रतिनिधिमंडल ने रायपुर के पुलिस उपायुक्त तारकेश्वर पटेल एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त विवेक शुक्ला से सौजन्य मुलाकात की। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान चेम्बर प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधिकारियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं शाल ओढ़ाकर उनका आत्मीय अभिनंदन किया तथा हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। मुलाकात के दौरान शहर में कानून व सुरक्षा व्यवस्था, व्यापारियों की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, जन-सुरक्षा, सामाजिक जागरूकता और नागरिक सहयोग जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक एवं विस्तृत चर्चा हुई।

प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस प्रशासन द्वारा शहर में शांति, कानून व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना की। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने भी चेम्बर पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि पुलिस प्रशासन जनता व व्यापारिक वर्ग की सुरक्षा और सहायता के लिए सदैव तत्पर है तथा सामाजिक व व्यापारिक संगठनों के सहयोग का स्वागत करता है।

बीपी, शुगर टेस्टिंग मशीन का वितरण

रायपुर, 25 जुलाई। जैन संवेदना ट्रस्ट इस वर्ष जीवदया, मानव कल्याण व साधर्मिक भक्ति का चातुर्मास मनाएगा। महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि जियो और जीने दो भगवान महावीर स्वामी ने मूलमंत्र विश्व को दिया है। चातुर्मास काल में दया करूणा अहिंसा भाईचारा के गुणों का हमारे जीवन में विकास होना चाहिये। जैन संवेदना ट्रस्ट ने साधर्मिक भक्ति जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय किया है। ट्रस्ट का मानना है कि पूरे देशभर में चातुर्मास में प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से अनुमानित 2000 करोड़ रुपये खर्च होते हैं। जैन संवेदना ट्रस्ट चातुर्मास समितियों से पत्र लिखकर आग्रह करेगा कि इस खर्च में 10 प्रतिशत की कटौती कर उस बचत राशि का साधर्मिक भाई बहनों के व्यवसायिक व सामाजिक उत्थान में सहयोग करे। जैन संवेदना ट्रस्ट भी प्रयास करेगा कि जैन भाई बहनों के आर्थिक मदद की जा सके इस हेतु समर्थवान जैन बंधुओं को सहयोग हेतु प्रेरित किया जावेगा। चातुर्मास में मूक पशु पक्षियों की सेवा, मानव सेवा के अंतर्गत श्रवण यन्त्र, कृत्रिम हाथ, कैलिपर्स, वैशाखी, बी पी नापने की मशीन, शुगर टेस्टिंग मशीन का नि:शुल्क वितरण तथा मानव कल्याण में साधर्मिक भाई बहनों के स्वावलंबी जीवन, व्यवसायिक उत्थान व विवाह योजना पर कार्य करेंगे।

शाला प्रवेश उत्सव में जिला पंचायत अध्यक्ष की अनदेखी

रायपुर, 25 जुलाई। विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव 2026-27 के आधिकारिक आमंत्रण पत्र से जिला पंचायत अध्यक्ष का नाम गायब रहने पर विवाद गहरा गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी ने इस उपेक्षा पर कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे जनप्रतिनिधि और जिले की जनता के जनादेश का अपमान करार दिया है। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी से फोन पर बात कर अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई और प्रशासनिक अधिकारियों को शासकीय आयोजनों में नियमानुसार प्रोटोकॉल का पालन करने की सख्त चेतावनी दी है। जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी ने कहा कि जिला पंचायत जिले की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है। ऐसे में शासकीय कार्यक्रमों के आमंत्रण पत्रों से निर्वाचित अध्यक्ष का नाम हटाना प्रशासनिक मनमानी और प्रोटोकॉल का स्पष्ट उल्लंघन है।

सरकार और संगठन में बेहतर तालमेल के लिए बीजेपी ने बनाई नई रणनीति

रायपुर, 25 जुलाई। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए प्रदेश नेतृत्व ने नई रणनीति तैयार की है। संगठन की ओर से जिलों के प्रभारी मंत्रियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे जिला प्रभारियों और जिला अध्यक्षों से लगातार संवाद व तालमेल बनाकर काम करें। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की बात सुनी जाए और उन्हें विकास कार्यों व संगठनात्मक गतिविधियों में तरजीह दी जाए।

प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में संचालित 'सहयोग केंद्र' की तर्ज पर अब जिला स्तरों पर भी वैसी ही व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। जिलों में सहयोग व्यवस्था लागू होने से कार्यकर्ताओं और आम जनता को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए राजधानी रायपुर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। संगठन और मंत्रियों के आपसी समन्वय से जिलों में चल रही शासकीय योजनाओं और विकास कार्यों की गति तेज होगी।

छत्तीसगढ़ में सत्ता में वापसी के बाद से ही बीजेपी संगठन और सरकार के बीच बेहतर संतुलन बनाने पर लगातार काम कर रही है। प्रभारी मंत्रियों को दिए गए ये निर्देश न केवल जमीनी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाएंगे, बल्कि आगामी स्थानीय निकायों और पंचायत चुनावों के लिहाज से भी संगठन को निचले स्तर तक मजबूत करने का काम करेंगे।

भाजपा में संगठन ही सर्वोपरि : पुरन्दर मिश्रा

संगठन के इस निर्देश और प्रदेश की राजनीतिक स्थिति पर रायपुर उत्तर से बीजेपी विधायक पुरन्दर मिश्रा ने पार्टी की अनुशासन नीति को रेखांकित करते हुए कहा कि भाजपा में पद से बड़ा संगठन होता है।पुरन्दर मिश्रा ने कहा किफ्रभारतीय जनता पार्टी में कोई भी मंत्री, विधायक या सांसद हो, सब संगठन के नीचे हैं। संगठन का जो भी निर्देश या आदेश होता है, उसका अक्षरशः पालन किया जाता है। सरकार के विकास कार्यों में यदि सबकी सहभागिता हो, तो यह बेहद अच्छी बात है। कांग्रेस द्वारा कार्यकर्ताओं की नाराजगी पर उठाए जा रहे सवालों पर पलटवार करते हुए मिश्रा ने कहाफ्रभाजपा का कोई भी कार्यकर्ता नाराज नहीं है। उनके काम पूरी प्राथमिकता के साथ हो रहे हैं। कांग्रेस के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वह केवल भ्रम फैलाकर राजनीति करने की कोशिश कर रही है।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26